

आपदा प्रबंधन और प्रौद्योगिकी कृषि पद्धतियों पर एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

- पालीवाल पार्क स्थित डायमंड जुबली हॉल में हुआ आयोजन, राज्य आपदा प्रबंधक प्राधिकरण लखनऊ का मिला सहयोग
- आपदा के कारणों, सूखा निवारण, पोषण संरक्षण और क्षेत्रगत अनुसंधान की आवश्यकता पर वक्तोओं ने दिए विचार

○ **टीएनएफ टुडे, आगरा।**

आज 13 अक्टूबर 2026 को डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के पालीवाल पार्क परिसर स्थित डायमंड जुबली हॉल में दीनदयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान द्वारा 'जलवायु अनुकूलन, कृषि निवारण और प्रौद्योगिकी पद्धतियों' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। राज्य आपदा प्रबंधक प्राधिकरण लखनऊ के सहयोग से और विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. आशु रानी के मार्गदर्शन में संपन्न इस कार्यक्रम का शुभारंभ कुलसचिव अजय मिश्रा, संस्थान के निदेशक डॉ. मनोज राठौर, ब्रिगेडियर डॉ. विनोद

आमने-सामने भिड़ीं बाइकें, दो युवक घायल

पिनाहट। ब्लॉक क्षेत्र के गांव कुकथरी के पास मंगलवार शाम दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों बाइक सवार युवक घायल हो गए। ग्रामीणों ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पिनाहट में भर्ती कराया। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने दोनों को हायर सेंटर आगरा रेफर कर दिया।

कुकथरी निवासी अजय (22) पुत्र अशोक मंगलवार शाम अपने पिता अशोक प्रधान का दवा दिलाने के लिए आगरा जा रहा था। गांव के पास सामने से करहल के नगला जंगी निवासी गौरव (22) पुत्र प्रमोद अपनी बहन आरती के साथ पिनाहट आ रहा था। इसी दौरान दोनों बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में अजय और गौरव घायल हो गए। ग्रामीणों की मदद से दोनों को सीएचसी पिनाहट पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी हालत को देखते हुए आगरा रेफर कर दिया।

दरगाह में अचानक बेहोश हुई विदेशी पर्यटक, सुरक्षाकर्मियों ने संभाला मोर्चा

फ्रांस निवासी करीब 65 वर्षीय महिला की तबीयत बिगड़ी, आगरा किया रेफर

- करीब 20 पर्यटकों के समूह के साथ आई थी महिला
- दरगाह परिसर में अचानक बिगड़ी तबीयत
- सिक्वोरिटी कमांडर मुकेश यादव जवानों के साथ पहुंचे
- स्ट्रेचर से बाहर निकालकर उपचार के लिए ले जाया

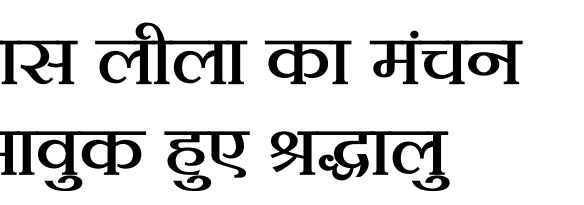
○ **टीएनएफ टुडे, फतेहपुर सीकरी।**

विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्मारक फतेहपुर सीकरी के भ्रमण पर आए विदेशी पर्यटकों के एक समूह में शामिल महिला की हजरत शेख सलीम चिश्ती की दरगाह पर अचानक तबीयत बिगड़ गई। महिला के बेहोश होने की सूचना पर स्मारक की सुरक्षा में तैनात कर्मियों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर सहायता की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, फ्रांस निवासी लॉरेंस नाम की महिला उम्र



लगभग 65 वर्ष मंगलवार दोपहर को लगभग 20 पर्यटकों के समूह के साथ फतेहपुर सीकरी के ऐतिहासिक स्मारकों का भ्रमण करने आई थीं। भ्रमण के दौरान दरगाह परिसर में अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के स्मारक की

सुरक्षा में तैनात सिक्वोरिटी कमांडर मुकेश यादव अपने जवानों के साथ मौके पर पहुंचे। सुरक्षाकर्मियों ने महिला को स्ट्रेचर की सहायता से दरगाह परिसर से बाहर पहुंचाया। इसके बाद समूह के अन्य सदस्यों और गाइड की सहायता से महिला को उपचार के लिए आगरा ले जाया गया।



किया, लेकिन वह अपनी जिद पर अड़ी रहीं। वचनबद्ध होने के कारण राजा दशरथ को भारी मन से भगवान श्रीराम को वनवास जाने की आज्ञा देनी पड़ी। पिता की आज्ञा का पालन करते हुए भगवान श्रीराम अपने छोटे भाई लक्ष्मण और पत्नी माता सीता के साथ वन की ओर प्रस्थान कर गए। पुत्र वियोग के तहत विद्योग ने अपने प्राण त्याग दिए। रामवनवास और राजा दशरथ के पुत्र वियोग के प्रसंग का मंचन देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो गए। इस दौरान रामलीला कमेटी के अध्यक्ष नवीन पाराशर सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल युवक की मौत

फतेहाबाद। फतेहाबाद-शमसाबाद मार्ग पर अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, घटना की जानकारी से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जितेंद्र पुत्र ताराचंद उम्र 35 वर्ष निवासी गंगौरा थाना



फतेहाबाद विगत 10 अक्टूबर को आगरा से काम करके अपने घर लौट रहा था। तभी फतेहाबाद-शमसाबाद मार्ग पर गढ़ी गोदना के पास रात 9 बजे के करीब उनकी बाइक में अज्ञात वाहन टक्कर मारकर मौके से भाग गया। हादसे में बाइक सवार जितेन्द्र गंभीर रूप से घायल हो गए थे। जिन्हें परिजन ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं सोमवार की रात 11 बजे के करीब इलाज के दौरान जितेंद्र ने दम तोड़ दिया। वहीं पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं मृतक अपने पिछे दो पुत्र छोड़ गया। वहीं घटना की जानकारी से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

मिशन शक्ति की हुंकार, जागरूकता रैली के साथ 15 वाहन चालकों के चालान

महिला सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक, छात्राओं व एनसीसी कैडेट्स ने लिया हिस्सा

- हेलमेट, सीट बेल्ट और सुरक्षित ड्राइविंग का दिया संदेश
- महिला सुरक्षा व साइबर हेल्पलाइन की दी जानकारी
- निबोहरा पुलिस ने भी छात्राओं को किया जागरूक

○ **टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।**

मिशन शक्ति अभियान के फेज-6.0 के तहत मंगलवार को महिला सुरक्षा, सशक्तीकरण और यातायात नियमों के प्रति जागरूकता लाने के लिए रैली निकाली गई। रैली में राजकीय विद्यालय की छात्राओं, एनसीसी कैडेट्स, मिशन शक्ति टीम और एंटी रोमियो टीम ने सहभागिता की। अवती बाई तिराहे से शुरू हुई रैली फतेहाबाद बस स्टैंड पर संपन्न हुई। रैली के दौरान पुलिसकर्मियों और छात्राओं ने आमजन को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया। लोगों से शराब पीकर वाहन नहीं चलाने,

टोरेंट पावर का ग्राहक सेवा महाशिविर नरीपुरा में आज

आगरा। शहर में विद्युत व्यवस्था संभाल रही टोरेंट पावर द्वारा उपभोक्ताओं की बिजली सम्बन्धी समस्याओं के समाधान के लिए टीआर एस उत्सव भवन ज्ञान सिंह इंटर कॉलेज नरीपुरा जमनेर रोड पर बुधवार 14 अक्टूबर को ग्राहक सेवा महाशिविर का आयोजन किया जा रहा है। सुबह 10 से शाम 5 बजे तक लगने वाले इस महाशिविर में टोरेंट पावर के उच्च अधिकारियों की मौजूदगी में उपभोक्ताओं की विद्युत सम्बन्धी समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

अखिल भारतीय माधुर वैश्य महासभा की 139वीं जयन्ती धूमधाम से मनाई जायेगी

आगरा। अखिल भारतीय माधुर वैश्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की अध्यक्षता में माधुर वैश्य भवन पर एक बैठक आहुत की गई। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि पूर्व की भाँति मण्डलीय परिषद आगरा द्वारा जयन्ती आश्विनी शुक्लमास की पंचमी दिन 15 अक्टूबर दिन गुरुवार को भवन पर मनाई जायेगी। हवन पूजन, महासभा ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा, जिसमें मण्डल की समस्त मंत्री परिषद सदस्यों, शाखा सभाएं, महिला मण्डल, सेवादल, सैविकादल, भवन एवं अतिथि गृह के दामदाताओं की गरिमामई सहभागिता रहेगी।



वाहन चलाते समय स्टैंडबाजी से बचने, दोपहिया वाहन पर हेलमेट पहनने, कार चलाते समय सीट बेल्ट लगाने और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करने की अपील की गई। इस दौरान चार पहिया वाहनों की चेकिंग भी की गई। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 15 वाहन चालकों के चालान मोटर वाहन अधिनियम के तहत किए गए। महिलाओं और बालिकाओं को वूमैन पावर लाइन 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला

हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, साइबर हेल्पलाइन 1930 और पुलिस आपातकालीन सेवा 112 की जानकारी दी गई। साथ ही महिला हेल्प डेस्क, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना और रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष के बारे में बताया गया। यातायात की दृष्टि से व्यस्त चौराहों और प्रमुख स्थानों पर महिला पुलिसकर्मियों के साथ एनसीसी की महिला कैडेट्स ने

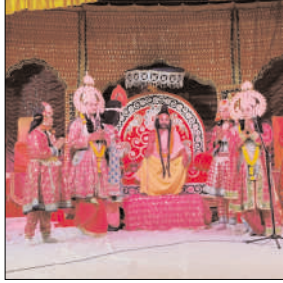
‘देखि रूप लोचन ललचाने’, पुष्प वाटिका में श्रीराम-सिया के नयनों ने रचा प्रेम का दिव्य संवाद

रामलीला में वन गमन, ताड़का वध और यज्ञ रक्षा का मंचन; गुरुवार को होगा धनुष यज्ञ

- पुष्प वाटिका में श्रीराम और सीता के प्रथम दर्शन का मंचन
- विश्वामित्र के साथ वन गए राम-लक्ष्मण
- ताड़का वध और यज्ञ रक्षा के दृश्यों ने जगाया वीररस
- धनुष यज्ञ लीला में सजेगा सीता स्वयंवर का प्रसंग

○ **टीएनएफ टुडे, आगरा।**

देखि रूप लोचन ललचाने, हरपे जनु निज निधि पहिचाने।ह्र श्रीरामचरितमानस की इन चौपाइयों के श्रावमंगलवार को श्रीमन:कामेश्वर रामलीला महोत्सव-2026 में जीवंत हो उठे। पुष्प वाटिका में प्रभु श्रीराम और जनकनंदिनी सीता के प्रथम दर्शन के मनोहारी मंचन ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।श्रीमन:कामेश्वर ग्रामीण संस्थान, गढ़ी ईश्वरा, दिग्नेर, शमशाबाद रोड पर आयोजित



रामलीला में गिरिजा पूजन के लिए सखियों सँग पुष्प वाटिका पहुंचीं माता सीता और गुरु विश्वामित्र की आज्ञा से पुष्प लेने आए श्रीराम-लक्ष्मण के प्रसंग का मंचन हुआ। श्रीराम और सीता के प्रथम दर्शन के दौरान प्रेम, लज्जा और मयादाँ के भाव कलाकारों ने प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। आकर्षक सजावट और सखियों के संवाद ने मिथिला की छटा को मंच पर साकार कर दिया। इससे पहले महर्षि विश्वामित्र के अयोध्या पहुंचकर महाराज दशरथ से यज्ञ रक्षा के लिए श्रीराम को साथ भेजने का आग्रह

करने, गुरु वशिष्ठ के समझने पर श्रीराम-लक्ष्मण के वन गमन, ताड़का वध और यज्ञ की रक्षा के प्रसंग मंचित किए गए। राक्षसी शक्तियों के विरुद्ध दोनों भाइयों के पराक्रम के दृश्यों ने दर्शकों में वीररस का संचार किया। इसके बाद जनकपुर प्रवेश और पुष्प वाटिका के प्रसंग के साथ कथा आगे बढ़ी। श्रीमन:कामेश्वर मठ के महंत योगेश पुरी ने कहा कि विश्वामित्र के साथ वन गमन और यज्ञ रक्षा का प्रसंग गुरु के प्रति सम्मान, आज्ञापालन और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देता है। वहीं पुष्प वाटिका का प्रसंग पवित्र प्रेम, विनम्रता और मर्यादित आचरण का संदेश देता है। मठ प्रशासक हरिहर पुरी ने बताया कि गुरुवार को धनुष यज्ञ लीला का मंचन होगा।। सीता स्वयंवर में राजा-महाराजाओं के समक्ष भगवान शिव के विशाल धनुष को उठाकर प्रत्येक चढ़ाने की चुनौती और इसके बाद के प्रसंग आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

मतदाता सूची से कोई पात्र नाम न छूटे, एसआईआर अभियान पर मंथन

एसडीएम की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक, पुनरीक्षण कार्य में सहयोग की अपील

- युवा और छूटे हुए पात्र मतदाताओं के नाम जुड़वाने पर जोर
- बृथ स्तरीय अभिकताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील
- मतदाता सूची को पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने पर चर्चा

○ **टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।**

तहसील सभागार में मंगलवार को विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर)-2026 के बाद विशेष अभियान को लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक हुई। उपजिलाधिकारी एवं



निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी स्वाति शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मतदाता सूची को शुद्ध, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने पर चर्चा की गई। बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों तिथियों पर आवश्यक कार्यवाही

सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। उपजिलाधिकारी ने राजनीतिक दलों की ओर से नियुक्त बृथ स्तरीय अभिकताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पात्र मतदाताओं, विशेषकर युवा और ऐसे मतदाता

जिनके नाम अभी तक सूची में शामिल नहीं हो सके हैं, उनके नाम जुड़वाने के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाए। बैठक में मतदाता सूची पुनरीक्षण के कार्य को प्रभावी ढंग से पूरा करने तथा घोषणा पत्र के उपयोग और उससे जुड़ी

प्रक्रिया पर भी चर्चा हुई। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अभियान में सक्रिय सहयोग देने की अपील की गई, ताकि कोई भी पात्र मतदाता सूची में नाम शामिल होने से वंचित न रहे। इस दौरान तहसीलदार फतेहाबाद शिखर मिश्रा सहित भारतीय जनता पार्टी से योगेश चौहान, अंकित गुप्ता और मुकेश पंचौरी, समाजवादी पार्टी से विवेक शर्मा, सीरभ शर्मा, महेश सिसोदिया, शैलेश यादव, राजेश शर्मा, आशीष शर्मा और अमन शेखर तथा ऑल इंडिया भाईचारा पार्टी से होमन सिंह निपाद, रविंद्र सिंह राजपूत और रूप सिंह राजपूत सहित अन्य लोग मौजूद रहे।



रंगों से दिया स्वच्छता का संदेश, नन्हें कलाकारों ने दिखाई प्रतिभा

एत्मावपुर। उच्च प्राथमिक विद्यालय एत्मादपुर में मंगलवार, 13 अक्टूबर 2026 को 'स्वच्छता ही सेवा' विशेष अभियान के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। इस विशेष अवसर पर बच्चों के लिए स्वच्छता विषय पर एक चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विद्यालय के 60 बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ प्रतिभाग किया और रंगों के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया। प्रतियोगिता की समाप्ति के बाद सभी प्रतिभागी बच्चों को प्रोत्साहन स्वरूप मेडल एवं ट्रॉफियाँ विितरित की गईं। इसके साथ ही बच्चों के लिए जलपान की भी विशेष व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती नीमा एवं समस्त शिक्षक स्टाफ मौजूद रहा। वहीं, वन विभाग की ओर से वन दरोगा श्री चंद्रमोहन शर्मा, श्री नवनीत कुमार, बीट प्रभारी श्री रंजीत कुमार एवं वन कर्मी श्री ब्रजमोहन सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे, जिन्होंने बच्चों का मार्गदर्शन किया और उन्हें पर्यावरण बचाने की शपथ दिलाई।

- तड़के चले चेकिंग अभियान से मचा हड़कोप
- मीटरो की जाँच में सामने आए बिजली चोरी के मामले
- सभी 10 उपभोक्ताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू

फतेहाबाद। मंगलवार को फतेहाबाद टाउन के हाई पोर्टेशनल लाउंसेस क्षेत्रों में बिजली विभाग ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। तड़के चलाए गए इस छापामार अभियान से बिजली चोरी करने वालों में हड़कंप मच गया। टीम ने विभिन्न इलाकों में परिसरों की बिजली आपूर्ति और मीटरो की



बारीकी से जांच की। जांच के दौरान 10 उपभोक्ता मीटर को बाईपास कर अवैध रूप से बिजली चोरी करते हुए पकड़े गए। विभाग ने सभी मामलों में कड़ी कार्रवाई करते हुए संबंधित उपभोक्ताओं के खिलाफ विद्युत चोरी निरोधक थाना, कमला नगर आगरा में प्राथमिकी दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। विद्युत विभाग ने क्षेत्र के उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें और केवल

वैध कनेक्शन के माध्यम से ही बिजली का उपयोग करें। विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिजली चोरी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी और ऐसे मामलों में आगे भी सख्त कानूनी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। चेकिंग अभियान के दौरान विद्युत उपखंड अधिकारी गौरव राजपूत, अवर अभियंता राजेश सिंह, दीपक कुमार, रमेश बाबू सहित विद्युत विभाग और पुलिस व कर्मचारी मौजूद रहे।

उभरता भारत नई आशाएं' कार्यक्रम में गूंगा विकास का संदेश युवाओं की भूमिका पर मंथन

देश का जेन जी स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को मानने वाला है

युवाओं के प्रयास से भारत का आने वाला युग होगा स्वर्णिम

टीएनएफ टुडे, आगरा।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद आगरा महानगर द्वारा 13 अक्टूबर को उभरता भारत, नई आशाएं कार्यक्रम का आयोजन डॉ भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के संस्कृति भवन किया गया।

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ विपिन गुप्ता, डॉ मनुप्रताप सिंह, डॉ शार्दूल मिश्रा, प्रीति बघेल, व शिवांग खंडेलवाल ने स्वामी विवेकानंद जी एवं मां सरस्वती के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा बीते दिनों सम्पन्न हुए सदस्यता अभियान के माध्यम से सम्पर्क में आए नवीन छात्र छात्राओं के लिए किया गया

कार्यक्रम में वक्ताओं ने उभरते भारत और उसमें नई आशाओं पर सभी छात्रों को संबोधित किया।

क्षेत्रीय संगठन मंत्री विपिन गुप्ता ने कहा अपने स्थापना के समय से निरन्तर छात्रहित समाज हित और देश हित की बात करने वाला अभावविप हर उस छात्र का दर्द समझती है जिसने पेपर लोक के चलते वर्ष भर की तैयारी को पानी में जाते देखा इसलिए सबसे पहले विद्यार्थी परिषद द्वारा एन टी ए के दफ्तर के बाहर आंदोलन किया गया।

जब जंतर मंतर पर पेपर लोक के विरोध के आंदोलन में शुरू हुआ उस आंदोलन ने विद्यार्थी के हित के बजाए भारत विरोधी देश विरोधी आंदोलन का रूप ले लिया कई लोगों ने कहा कि भारत का युवा पीढ़ी भारत को नेपाल और बांग्लादेश जैसा बना सकती है तब विद्यार्थियों ने विद्यार्थी परिषद पर भरोसा जताया और हमने



पंजाब विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनावों में जीत दर्ज कर बता दिया कि देश की युवा पीढ़ी 100 स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को लेकर चलने वाली है। आज का भारत सिर्फ अपनी सीमाओं के भीतर नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर अपनी एक नई और सशक्त पहचान बना रहा है। तकनीक से लेकर अंतरिक्ष अनुसंधान तक, और मजबूत

अर्थव्यवस्था से लेकर युवा ऊर्जा तक—हर क्षेत्र में 'उभरता भारत' आज दुनिया के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुका है ऐसे में हम सभी को अपने आने वाले समय में इस देश को निरन्तर उन्नति की ओर लेकर जाने की आवश्यकता है।

डॉ मनुप्रताप सिंह ने कहा हम बदलाव के उस दौर में जी रहे हैं जहाँ देश का हर नागरिक, विशेषकर हमारे युवा, आत्मनिर्भरता



और नवाचार के साथ आगे बढ़ रहे हैं। यह सिर्फ आर्थिक विकास नहीं है, बल्कि यह एक नए और आत्मविश्वासी भारत का उदय है

जो वैश्विक चुनौतियों का समाधान देने की क्षमता रखता है। आने वाला समय भारत का है, और हम सब मिलकर इसे एक वैश्विक महाशक्ति

का निर्वहन पूरी निष्ठा से करें और भारत को विकास की ओर लेकर जाना है जिसमें सबसे अहम भूमिका आप सभी युवाओं की है और मुझे पूरा विश्वास है कि आप इस भारत को उसके स्वर्णिम कल तक पुनः लेकर जायेंगे।

कार्यक्रम की भूमिका महानगर मंत्री शिवांग खंडेलवाल ने रखी

संचालन प्रथम गोयल ने किया

इस अवसर पर प्रांत संगठन मंत्री अनुज ठाकुर, प्रांत उपाध्यक्ष डॉ राजेश लवानिया, विभाग संगठन मंत्री रजत जोशी, पुनीत कुमार, प्रीति बघेल, तपस्या त्रिपाठी, सुमित शर्मा, दीपक कश्यप, नितिन दुबे, रोहित परमार, रचित यादव, शिवम कोहली विवेक सिंह भुवनेश उपाध्यक्ष जितेंद्र चौधरी, हर्ष तोमर मयंक प्रताप अश्वनी जाट सहित सभी कार्यकर्ता बंधु भागिनी उपस्थित रहे।

एस.एन. मेडिकल कॉलेज में सफल सर्जरी

जटिल ऑपरेशन कर बचाई गई 40 वर्षीय मरीज की किडनी

बाहर के अस्पतालों में इलाज पर 6 लाख खर्च और दिल्ली जाने की सलाह दी गई थी, एसएनएमसी में हुआ निःशुल्क इलाज

टीएनएफ टुडे, आगरा।

एस.एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा के चिकित्सा क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। यहाँ डॉक्टरों ने एक जटिल सर्जरी को अंजाम देते हुए 40 वर्षीय मरीज के किडनी ट्यूमर का सफल ऑपरेशन किया है। लैप्रोस्कोपिक असिस्टेड पार्शियल नेफ्रेक्टॉमी तकनीक के जरिए की गई इस सर्जरी में पूरी किडनी निकालने के बजाय केवल ट्यूमर को सुरक्षित रूप से बाहर निकाला गया, जिससे मरीज की



स्वस्थ किडनी पूरी तरह सुरक्षित बच गई है। ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति अब पूरी तरह ठीक है। मरीज ने पहले अन्य बड़े अस्पतालों में दिखाया था, जहाँ डॉक्टरों ने इलाज का खर्च करीब 6 लाख रुपये बताते हुए दिल्ली जाने की सलाह दी थी। आर्थिक तंगी और गंभीर चुनौतियों के बीच मरीज एस.एन. मेडिकल कॉलेज पहुंचे,

जहाँ उनका यह जटिल इलाज सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

डॉ. विजय त्यागी ने इस सफलता पर कहा कि आधुनिक सर्जिकल तकनीकों और विशेषज्ञ चिकित्सकों के बेहतर तालमेल से अब आगरा में ही गंभीर और जटिल बीमारियों का सफल इलाज संभव हो रहा है, जिससे मरीजों को महानगरों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। वहीं, डॉ.

अभिषेक पाठक ने स्पष्ट किया कि सीमित ट्यूमर के मामलों में पार्शियल नेफ्रेक्टॉमी का उद्देश्य कैंसरग्रस्त हिस्से को हटाते हुए स्वस्थ किडनी की कार्यक्षमता को सुरक्षित रखना होता है।

इस पूरी सर्जिकल प्रक्रिया में एनेस्थीसिया विभाग से डॉ. अतिहास मोहन, डॉ. प्रभा और डॉ. अमिता त्यागी की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही। एस.एन. मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य एवं डीन डॉ. प्रशांत गुप्ता ने इस बात पर जोर दिया कि संस्थान का मुख्य उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद मरीजों को आधुनिक और उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

विशेषज्ञों के अनुसार, किडनी में ट्यूमर जैसी समस्या होने पर समय पर जांच और योग्य यूरोलॉजिस्ट से परामर्श लेना बेहद जरूरी है।

11 ग्राम प्रहरियों को मिले मोबाइल और प्रशस्ति पत्र

- मुख्यमंत्री के सजीव प्रसारण के बीच उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय और पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार ने किया सम्मानित
- मानदेय बढ़कर हुआ 3,500 रुपये, साथ ही प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज की मिलेगी सुविधा

टीएनएफ टुडे, आगरा।



पुलिस सहयोग और अपराध नियंत्रण में सहायनीय योगदान देने वाले प्रदेश के 68,000 ग्राम प्रहरियों के सम्मान में पुलिस लाइन स्थित परेड ग्राउंड में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नाथ नगरी बरेली से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उद्बोधन का सजीव प्रसारण उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और ग्राम प्रहरियों ने देखा व सुना।

कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री

योगेन्द्र उपाध्याय, विधायक चौधरी बाबूलाल, पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार, जिलाधिकारी मनीष बंसल और अपर आयुक्त पुलिस सचिन्द्र पटेल की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले 11 ग्राम प्रहरियों को मोबाइल फोन और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

राज्य सरकार द्वारा ग्राम प्रहरियों का मानदेय 40 प्रतिशत बढ़ाकर 2,500 रुपये से 3,500 रुपये कर दिया गया है। इसके साथ ही उन्हें

प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज की सौगत भी मिली है, जिससे ग्राम प्रहरियों में भारी उत्साह देखने को मिला।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि ग्राम प्रहरी सेवा भाव से गांवों में शांति और सुख बनाए रखते हैं। मानदेय वृद्धि सरकार की उनके प्रति संवेदनशीलता का प्रतीक है।

पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार ने कहा कि प्रथम चरण में इन 11 प्रहरियों को मोबाइल दिए गए हैं

और चरणबद्ध तरीके से आगरा के सभी लगभग 850 ग्राम प्रहरियों को मोबाइल उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे पुलिस के साथ उनका संवाद और अधिक प्रभावी हो सके। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि ग्राम प्रहरी पुलिस और जनता के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं, जिनके सजग प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों की सुखशा व्यवस्था और मजबूत होती है। इस दौरान पुलिस विभाग के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

'उभरता भारत नई आशाएं'

कार्यक्रम में गूंगा विकास का संदेश युवाओं की भूमिका पर मंथन

- देश का Genz स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को मानने वाला है
- युवाओं के प्रयास से भारत का आने वाला युग होगा स्वर्णिम

टीएनएफ टुडे, आगरा।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद आगरा महानगर द्वारा 13 अक्टूबर को 'उभरता भारत, नई आशाएं' कार्यक्रम का आयोजन डॉ भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के संस्कृति भवन किया गया।

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ विपिन गुप्ता, डॉ मनुप्रताप सिंह, डॉ शार्दूल मिश्रा, प्रीति बघेल, व शिवांग खंडेलवाल ने स्वामी विवेकानंद जी एवं मां सरस्वती के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा बीते दिनों सम्पन्न हुए सदस्यता अभियान के माध्यम से सम्पर्क में आए नवीन छात्र छात्राओं के लिए किया गया कार्यक्रम में वक्ताओं ने उभरते भारत और उसमें नई आशाओं पर सभी छात्रों को संबोधित किया।

क्षेत्रीय संगठन मंत्री विपिन गुप्ता ने कहा अपने स्थापना के समय से निरन्तर छात्रहित समाज हित और देश हित की बात करने वाला अभावविप हर उस छात्र का दर्द समझती है जिसने पेपर लोक के चलते वर्ष भर की तैयारी को पानी में जाते देखा इसलिए सबसे पहले विद्यार्थी परिषद द्वारा एन टी ए के दफ्तर के बाहर आंदोलन किया गया।

जब जंतर मंतर पर पेपर लोक के विरोध के आंदोलन में शुरू हुआ उस आंदोलन ने विद्यार्थी के हित के बजाए भारत विरोधी देश विरोधी आंदोलन का रूप ले लिया कई लोगों ने कहा कि भारत का युवा पीढ़ी भारत को नेपाल और बांग्लादेश जैसा बना सकती है तब विद्यार्थियों ने विद्यार्थी परिषद पर भरोसा जताया और हमने



पंजाब विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनावों में जीत दर्ज कर बता दिया कि देश की युवा पीढ़ी 100 स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को लेकर चलने वाली है।

आज का भारत सिर्फ अपनी सीमाओं के भीतर नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर अपनी एक नई और सशक्त पहचान बना रहा है। तकनीक से लेकर अंतरिक्ष अनुसंधान तक, और मजबूत

आत्मनिर्भरता और नवाचार के साथ आगे बढ़ रहे हैं। यह सिर्फ आर्थिक विकास नहीं है, बल्कि यह एक नए और आत्मविश्वासी भारत का उदय है जो वैश्विक चुनौतियों का समाधान देने की

क्षमता रखता है। आने वाला समय भारत का है, और हम सब मिलकर इसे एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने के लिए संकल्पबद्ध हैं।

आत्म निर्भर भारत तभी संभव है जब हम सभी युवा अपनी भूमिका का निर्वहन पूरी निष्ठा से करें और भारत को विकास की ओर लेकर जाना है जिसमें सबसे अहम भूमिका आप सभी युवाओं की है और मुझे पूरा विश्वास है कि आप इस भारत को उसके स्वर्णिम कल तक पुनः लेकर जायेंगे।

कार्यक्रम की भूमिका महानगर मंत्री शिवांग खंडेलवाल ने रखी

संचालन प्रथम गोयल ने किया। इस अवसर पर प्रांत संगठन मंत्री अनुज ठाकुर, प्रांत उपाध्यक्ष डॉ राजेश लवानिया, विभाग संगठन मंत्री रजत जोशी, पुनीत कुमार, प्रीति बघेल, तपस्या त्रिपाठी, सुमित शर्मा, दीपक कश्यप, नितिन दुबे, रोहित परमार, रचित यादव, शिवम कोहली विवेक सिंह भुवनेश उपाध्यक्ष जितेंद्र चौधरी, हर्ष तोमर मयंक प्रताप अश्वनी जाट सहित सभी कार्यकर्ता बंधु भागिनी उपस्थित रहे।

कृषि तकनीकों और विपणन जानकारी हेतु विशेष स्टॉल

टीएनएफ टुडे, आगरा।

जनपद के किसानों को अधिक फसल उत्पादन और कृषि संबंधी आधुनिक तकनीकों से अवगत कराने के उद्देश्य से अलीगढ़, आगरा एवं बरेली मंडल की संयुक्त मण्डलीय रबी उत्पादकता गोष्ठी-2026 का आयोजन 14 अक्टूबर 2026 को कमिश्नर सभागार, आगरा में किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण गोष्ठी को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने जानकारी दी है कि इस संयुक्त गोष्ठी में तीन मंडलों के कार्यक्रमों में स्थित राज्य कृषि विश्वविद्यालय तथा अग्रणी 3 से 5 कृषि विज्ञान केंद्र विशेष रूप से प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम स्थल पर कृषकों को नवीनतम कृषि तकनीकों, उन्नत बीजों और फसल विपणन (मार्केटिंग) की विस्तृत जानकारी देने के लिए विभिन्न विभागों और संस्थानों द्वारा स्टॉल भी लगाए जाएंगे। इस आयोजन के सफल संचालन, समन्वय और शासन के दिशा-निर्देशों का प्रभावी पालन सुनिश्चित करने के लिए



- डीएम मनीष बंसल ने जनपद में सफल आयोजन के लिए उद्बोधन बनाया नोडल अधिकारी, सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी करने के निर्देश

जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी, आगरा को नोडल अधिकारी नामित किया है। संबंधित सभी विभागों और जनपदों के अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध और सुचारुस्थिति रूप से पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं।

अधिवक्ता पर हमले से भड़के वकील, दो दिन का अल्टीमेटम, गिरफ्तारी नहीं तो आंदोलन

फतेहाबाद। साथी अधिवक्ता के साथ मारपीट करने वाले नामजद व्यक्तियों की गिरफ्तारी न होने पर अधिवक्ताओं में रोष शमशाबाद पुलिस को दिया दो दिन का अल्टीमेट नहीं तो होगा आंदोलन। मंगलवार को बार एसोसिएशन फतेहाबाद की एक बैठक अध्यक्ष पंकज गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें साथी अधिवक्ता अनिल शर्मा के साथ मारपीट करने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी न होने को लेकर रोष व्यक्त किया गया और वहीं अधिवक्ताओं ने मांग की कि आरोपियों की दो दिन के अंदर पकड़कर जेल नहीं भेजा गया तो अधिवक्ता आंदोलन करने को मजबूर होंगे इसके लिए प्रशासन जिम्मेदार होगा। इस अवसर पर जयपाल सिंह यादव, ज्ञानेंद्र सिंह, दिनेश पाठक, शैलेंद्र वशिष्ठ, वीरेंद्र सिंह तोमर, भूपेंद्र सिंह, लक्ष्मी नाथरायण धाकरे, रविदास शर्मा, सहदेव सिंह, दयाशंकर, राजवीर उपाध्याय, देवेंद्र सिंह कुशवाहा, प्रमोद कुमार, अक्रम खान, सुगंधी शर्मा, रणजीत बघेल, रविंद होलकर, देवेंद्र गुर्जर, त्रिलोकी नाथ, देवेंद्र पाठक, पवन शर्मा के साथ अन्य अधिवक्ता उपस्थित थे।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए धीरज शर्मा द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड़ड़ा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रेसेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरु का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।

संपादक: धीरज शर्मा, फोन: 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइट: www.tnftoday.com

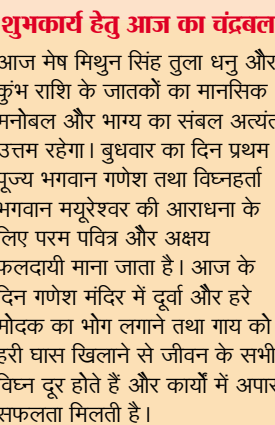
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

 सम्पादकीय
सऊदी अरब पर नए हमले और वैश्विक शांति के समक्ष खड़े होते गंभीर खतरे मध्य पूर्व के संवेदनशील भू-राजनीतिक परिदृश्य में सऊदी अरब पर हाल ही में हुए हमलों ने एक बार फिर इस कड़वे सच को उजागर कर दिया है कि दुनिया का यह ऊर्जा संपन्न क्षेत्र अभी भी स्थानी शांति और सुरक्षा से कोसों दूर है। वैश्विक अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले तेल भंडारों और रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाकर किए जाने वाले इस तरह के दुस्साहसिक हमले न केवल खाड़ी देशों की संप्रभुता पर सीधा प्रहार हैं, बल्कि इनसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित होने का खतरा भी पैदा हो जाता है। जब भी इस क्षेत्र में तनाव बढ़ता है, उसका सीधा असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम नागरिकों की जेब पर पड़ता है, जिसे अब और अधिक नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। घटना के इन पहलुओं का विश्लेषण करें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि क्षेत्रीय वर्चस्व की लड़ाई और छद्म युद्धों की आग में पूरा मध्य पूर्व सुलग रहा है, जहाँ विभिन्न विद्रोही गुट और बाहरी ताकतें अपनी रोटियां सेकने के लिए मासूमों की जिंदगी और वैश्विक स्थिरता को दांव पर लगा रही हैं। सऊदी अरब की सुरक्षा व्यवस्था को भेदकर इस प्रकार के हमले होना यह बताता है कि आतंकवाद और सामरिक अराजकता के नए तौर-तरीके कितनी तेजी से विकसित हो रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय और संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक मंचों को अब कागजी बयानों और औपचारिक निवेदों से बाहर निकलकर इस गंभीर संकट के खिलाफ ठोस और निर्णायक कदम उठाने होंगे, अन्यथा यह चिंगारी एक दिन पूरे विश्व को अपनी चपेट में ले सकती है। यथापि, कूटनीति और सौदा के रास्ते हमेशा खुले रहने चाहिए, किंतु इसका यह अर्थ कतई नहीं है कि शांति के नाम पर आतंकवाद और हिंसा को खुली छूट दे दी जाए। आवश्यकता इस बात की है कि वैश्विक महाशक्तियां और क्षेत्रीय देश अपनी आपसी खींचतान को छोड़कर आतंकवाद के खाम्ता और ऊर्जा सुरक्षा की बहाली के लिए एक मंच पर आए। जब तक इस प्रकार के हमलों के मास्टरमाइंडों और उन्हें समर्थन देने वाली ताकतों को कड़ा सबक नहीं सिखाया जाएगा, तब तक दुनिया के किसी भी कोने में अमन और चैन की कल्पना करना बेमानी होगा।

अनसुने प्रसंग– क्षेपक कथा

चित्रकूट के घाट पर गोस्वामी तुलसीदास जी को इस तरह मिले थे भगवान श्रीराम

भक्तमाल और मध्‍यकालीन संत साहित्‍यों के स्‍वर्णिम इतिहास में गोस्‍वामी तुलसीदास जी का जीवन भगवान श्रीराम के प्रति अगाध स्‍मरण, अटूट निष्ठा और अनन्य प्रेम का एक ऐसा जीवंत दस्‍तावेज है जो युगों-युगों तक मानवता को प्रेरित करता रहेगा। तुलसीदास जी ने जब काशी और चित्रकूट की पावन भूमि पर बैठकर महाकाव्‍य रामचरितमानस की रचना प्रारंभ की थी, तब उनके जीवन में एक ऐसा परम पावन और अद्भुत प्रसंग आया था जिसने भारतीय आध्‍यात्‍मिक जगत में इतिहास रच दिया था। यह वह प्रसंग है जब तुलसीदास जी को चित्रकूट की पवित्र भूमि पर भगवान श्रीराम के साक्षात और प्रत्यक्ष दर्शन प्राप्त हुए थे। घटना उन दिनों की है जब तुलसीदास जी चित्रकूट के तट पर बैठकर नित्‍य प्रतिदिन प्रात:काल चंदन धिसकर भगवान को अर्पित किया करते थे। उसी स्‍मय उनके परम आराध्‍य और इष्टदेव हनुमान जी एक अलौकिक व्‍यवस्‍था के तहत हर दिन एक कुष्ठ रोगी के रूप में उनके पास आते थे और उनसे भगवान श्रीराम के दर्शन कराने की अपनी तीव्र इच्छा व्‍यक्त करते थे। तुलसीदास जी उस दिव्‍य भक्त की सेवा भाव और लगन को देखकर भीतर से पूरी तरह विचलित हो जाते थे किंतु स्‍मय की अपनी सीमाएं थीं। एक दिन जब तुलसीदास जी चित्रकूट के घाट पर बैठकर नियम के अनुसार चंदन धिस रहे थे, तब उनके पास दो अत्‍यंत ही मनमोहक और अलौकिक रूप से सुंदर बालक आए। उन दोनों बालकों के चेहरे पर ऐसा अद्भुत तेज और समूहोह आकर्षण था कि जो भी उन्हें देखता बस देखता ही रह जाता। उन बालकों ने अत्‍यंत मधुर स्‍वर में तुलसीदास जी से कहा कि हे इतवर क्‍या आप हमें अपने हाथों से थोड़ा सा चंदन लगा सकते हैं। बालकों की उस मासूमियत और दिव्‍य सौंदर्य को देखकर तुलसीदास जी की आंखें आनंद के अश्रुओं से भर गईं और वे उस अलौकिक रूप में इतने अधिक मग्न हो गए कि वे यह भूल ही गए कि वे दोनों बालक कोई साधारण मनुष्‍य नहीं हैं। तुलसीदास जी ने प्रेम से भरकर उन उन दोनों बालकों के मस्‍तक पर अपने हाथों से वह पावन चंदन लगाया और उनके कोमल अंगों को देखकर उनका मन पूरी तरह तृप्त हो गया। उसी स्‍मय पास ही एक वृक्ष की डाल पर बैठे हनुमान जी ने जब यह देखा कि तुलसीदास जी अपने साक्षात परम भक्त को सामने पाकर भी उन्हें पहचान नहीं पा रहे हैं, तब उन्होंने एक तौते का रूप धारण किया और एक अत्‍यंत ही मर्मस्पर्शी और प्रसिद्ध दोहा अपनी वाणी में पुनगुनाया। हनुमान जी ने तौते के रूप में संकेत देते हुए कहा कि चित्रलिखित के घाट पर भइ संत सामान, चंदन लगावत राम को जानत नहीं अनजान। इस दोहे को सुनते ही तुलसीदास जी की आंतरिक चेतना अचानक जागृत हुई और उन्होंने जैसे ही उन दोनों बालकों की ओर दोबारा देखा, उन्हें यह समझते देर नहीं लगी कि वे कोई और नहीं बल्कि स्वयं उनके आराध्‍य प्रभु श्रीराम और उनके छोटे भाई लक्ष्‍मण हैं जो बाल रूप में उन्हें दर्शन देने आए थे। तुलसीदास जी यह अहसास होते ही तुरंत जमीन पर गिर पड़े और अपने आराध्‍य के चरणों में लिपटकर जोर-जोर से विलाप करने लगे कि हे प्रभु! आपकी यह केसी माया है कि आप मेरे इतने पास आए और मैं आपको पहचान तक नहीं सका। भगवान श्रीराम ने अपनी प्रेम भरी मंद-मंद मुस्‍कान के साथ अपने उस परम भक्त को अपने दोनों हाथों से उठाया, उन्हें अपने हृदय से लगाया और आशीर्वाद दिया कि आपका यह प्रश्‍नभर और ग्रंथ संसार के लिए मार्गदर्शक बनेगा। यह पावन और अनसुना प्रसंग हमें यह परम ज्ञान और गहरी सीख देता है कि जो साधक या भक्त अपने जीवन के एक-एक क्षण भगवान की आराधना और सच्‍चे प्रेम में स्‍मर्पित कर देता है, उसके जीवन में भगवान किसी न किसी रूप में अवश्य प्रकट होते हैं और उसे अपने साक्षात दर्शनों से कृतार्थ करते हैं।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल	दिनांक 15 अक्टूबर 2026 बुधवार
कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें! प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपको सुविधा को सर्वोपरि रखता है। राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों इसी अंश्रेय से हम आपको एक दिन अधिम (Advance) और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल की पहली सीढ़ी है।	
 मेघ आज कार्यक्षेत्र में आपको अपनी मेहनत का पूरा फल मिलेगा और उच्च अधिकारियों का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक मामलों में किए गए निवेश से भविष्य में बड़ा लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। गणेश जी को दुर्वा अर्पित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हो।  वृष आज आपकी राशि पर बुध की अनुकूल स्थिति के कारण व्यापार में कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है। परिवार के साथ किसी सुंदर स्थल पर समय बिताने का अवसर मिलेगा जिससे मन प्रसन्न रहेगा। किसी जरूरतमंद को हरी मृंग की दाल का दान करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे। मिथुन आज आपकी वाणी की प्रभावशीलता से आपके रुके हुए कार्य तेजी से गति पकड़ेंगे और लोग आपकी कार्यशैली की सराहना करेंगे। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा और उच्च शिक्षा में सफलता मिलेगी। गुणपति अथर्वशीर्ष का पाठ करें जिससे आपकी बौद्धिक क्षमता और अधिक प्रखर होगी	 कर्क आज भूमि भवन या संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना मामला आपसी सहमति से सुलझने की पूरी संभावना है। पारिवारिक जीवन में सुख शांति बनी रहेगी और माता का आशीर्वाद प्राप्त होगा। गणेश चालीसा का पाठ करें जिससे आपके परिवार में अखंड समृद्धि का वास होगा। सिंह आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपके पराक्रम तथा नेतृत्व क्षमता की खुलकर सराहना होगी जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आय के नए स्रोत विकसित होने से आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। भगवान गणेश को सिंदूर का तिलक लगाएं जिससे आपके यश और कीर्ति में वृद्धि होगी। कन्या आज आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और कहीं से रुका हुआ पुराना धन अचानक वापस मिल सकता है। व्यापारियों को किसी नए बड़े अनुबंध पर हस्ताक्षर करने का अवसर मिलेगा। मंदिर में हरे फल चढ़ाएं जिससे आपके व्यावसायिक मार्ग प्रशस्त हों। तुला आज कला साहित्य और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े जातकों के लिए दिन अत्यंत भाग्यशाली और उपलब्धियों भरा रहेगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी और जीवनसाथी की सलाह से बड़ा लाभ होगा। किसी गरीब व्यक्ति को भोजन कराएं जिससे आपके जीवन में सुख और शांति बनी रहेगी। वृश्चिक आज आपके सोचे हुए सभी गुप्त कार्य समय पर पूरे होंगे और लंबे समय से अटका हुआ कोई महत्वपूर्ण काम बनेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें और अनावश्यक तनाव से दूर रहें। गणेश स्तोत्र का पाठ करें जिससे आपके सभी शत्रु शांत होंगे। धनु आज मित्रों और संबंधियों के सहयोग से कोई बड़ा रुका हुआ वित्तीय कार्य संपन्न हो सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे मानसिक शांति मिलेगी। जरूरतमंदों को हरी वस्तु का दान करें जिससे आपके सभी अटके हुए मार्ग प्रशस्त हों। मकर आज नौकरीपेशा लोगों को उच्च अधिकारियों की प्रशंसा मिलेगी और पदोन्नति से जुड़ी कोई शुभ सूचना मिल सकती है। पुराने कर्ज से मुक्ति

आज कला साहित्य और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े जातकों के लिए दिन अत्यंत भाग्यशाली और उपलब्धियों भरा रहेगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी और जीवनसाथी की सलाह से बड़ा लाभ होगा। किसी गरीब व्यक्ति को भोजन कराएं जिससे आपके जीवन में सुख और शांति बनी रहेगी।

आज आपके सोचे हुए सभी गुप्त कार्य समय पर पूरे होंगे और लंबे समय से अटका हुआ कोई महत्वपूर्ण काम बनेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें और अनावश्यक तनाव से दूर रहें। गणेश स्तोत्र का पाठ करें जिससे आपके सभी शत्रु शांत होंगे।

धनु
आज मित्रों और संबंधियों के सहयोग से कोई बड़ा रुका हुआ वित्तीय कार्य संपन्न हो सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे मानसिक शांति मिलेगी। जरूरतमंदों को हरी वस्तु का दान करें जिससे आपके सभी अटके हुए मार्ग प्रशस्त हों।

मकर
आज नौकरीपेशा लोगों को उच्च अधिकारियों की प्रशंसा मिलेगी और पदोन्नति से जुड़ी कोई शुभ सूचना मिल सकती है। पुराने कर्ज से मुक्ति

लड़ाई समोसा, कचौड़ी की नहीं, न्याय की है!

○ **बृज खंडेलवाल**

क्या होगा जब किसी पार्क में एक नाबालिग लड़की के साथ कथित सामूहिक बलात्कार हो और इंसाफ की मांग का शोर चंद मिनटों में तुकबंदी के मुकाबले में बदल जाए?

जरूर, पुलिस से जवाब मांगे जाने चाहिए, अफसरों की जवाबदेही तय होनी चाहिए और बेटियों की हिफाजत सुनिश्चित होनी चाहिए। लेकिन दिल्ली में एक गंभीर वारदात के बाद सोशल मीडिया पर कुछ ऐसे नारे छा गए, मानो इंसाफ की लड़ाई नहीं, कोई हास्य कवि सम्मेलन चल रहा हो!

सवाल सीधा है। क्या दिल्ली के नामी कॉलेजों में गूंजते ये नारे देश की आधी आबादी की असली आवाज हैं, या फिर चंद खुशहाल घरों की बेटियों का गुस्सा, जिसे सोशल मीडिया ने सिर आंखों पर बिठा लिया है?

21 सितंबर 2026 की शाम दिल्ली के कालकाजी मंदिर के पास आस्था कुंज पार्क में एक 17 वर्षीय लड़की अपना जन्मदिन मना रही थी। वह एक पुरुष मित्र के साथ थी। आरोप है कि तीन लोगों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया। दिल्ली पुलिस ने 12 घंटे के भीतर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

लेकिन पार्क की बदस्तजामी भी सामने आई। कई प्रवेश द्वारों पर सीसीटीवी कैमरे नहीं थे। अंधेरा था और सुष्का गाड़ों की भी कमी थी। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने दिल्ली के पार्कों की सुरक्षा जांचने के आदेश दिए। दिल्ली विकास प्राधिकरण ने सूर्यास्त के बाद प्रवेश पर पाबंदी लगाई

○ डॉ. दीपक गोस्वामी

महाराजा अग्रसेन का स्मरण केवल एक ऐतिहासिक अथवा धार्मिक परंपरा का स्मरण नहीं है, बल्कि उस सामाजिक आदर्श का पुनस्मरण है जिसमें समृद्धि का अर्थ केवल धन का संचय नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सम्मानपूर्वक जीने का अवसर देना है। उनसे जुड़ी ह्राएक ईंट, एक रुपयाछ की परंपरा इसी लोककल्याणकारी भावना का प्रतीक है। इसमें एक ईंट आश्रय का और एक रुपया आजीविका आरंभ करने के अवसर का संकेत देता है। यह संदेश आज भी प्रासंगिक है कि किसी नवागतुक, निर्धन अथवा विपन्न व्यक्ति को केवल सहानुभूति नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर बनने के साधन मिलने चाहिए।

महाराजा अग्रसेन के व्यक्तित्व और जीवनकाल के संबंध में अनेक परंपरागत मान्यताएँ प्रचलित हैं। उनके जीवन की सभी घटनाओं, वंशावली और शासन-व्यवस्था का समकालीन ऐतिहासिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है। इसलिए आस्था से जुड़ी कथाओं का सम्मान करते हुए उन्हें निर्विवाद ऐतिहासिक तथ्य बताना उचित नहीं होगा। किंतु उनसे संबद्ध सामाजिक आदर्शों का विवेकपूर्ण अध्ययन आज के समाज को न्याय, सहयोग और मानवीय गरिमा की दिशा में प्रेरित कर सकता है। अग्रसेन की परंपरा में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि उनके राज्य की सीमाएँ कितनी विस्तृत थीं, बल्कि यह है कि समाज में सबसे कमजोर व्यक्ति का स्थान कितना सुरक्षित था। किसी राजा की वास्तविक महानता उसके खजाने, सेना अथवा महल की ऊँचाई से नहीं, बल्कि इस बात से मापी जानी चाहिए कि उसके राज्य में निर्धन व्यक्ति को अवसर मिलता था या नहीं, श्रमिक को सम्मान मिलता था या नहीं और व्यापार में ईमानदारी का मूल्य था या नहीं।

परंपरा के अनुसार महाराजा अग्रसेन सूर्यवंशी क्षत्रिय राजा माने जाते हैं। अग्रवाल समाज उन्हें अपना आदिपुरुष मानता है। उनकी पत्नी माधवी, अठारह पुत्रों और अठारह गोटों से जुड़ी कथाएँ समाज की सांस्कृतिक स्मृति का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इन विवरणों को समझते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि परंपरागत वंशावलि्यों और पुरातात्विक प्रमाण अलग-अलग प्रकार के साक्ष्य हैं। उनके जीवन से जुड़ी एक लोकप्रिय कथा यज्ञ में पशुबलि के प्रसंग की है। कथा के अनुसार, एक अश्व की पीड़ा देखकर

और निगरानी बेहतर करने का भरोसा दिया। मगर सवाल है कि आखिर एक लड़की का जन्मदिन खौफनाक हादसे में क्यों बदल गया? बेटियों को अपनी आजादी की कीमत डर और पाबंदियों से क्यों चुकानी पड़े?

घटना के बाद लेडी श्रीराम कॉलेज, मिरांडा हाउस, गार्गी और कमला नेहरू कॉलेज की छात्राएं ह्दहम औरतें आजाद हैंह के बैनर तले सड़कों पर उतरीं। कुछ नारे असरदार थे, तो कुछ ने गंभीर आंदोलन को कैटीन की गणशप जैसा बना दिया।

‘एक कचौरी, दो समोसा, इन मर्दों का क्या भरोसा!’

‘एक सिगरेट, दो चाय, मर्द जात हाय हाय।’

‘मेरे सर में दर्द है, इसका कारण मर्द है।’

और फिर फरमाया गया, ‘‘हमारी स्कर्ट नहीं है छोटी, इन मर्दों की सोच है छोटी।’’

वाह! तुकबंदी ऐसी कि इंस्टाग्राम पर रीतें बन जाएं। गुस्सा भी जाहिर हो गया और मनोरंजन का इंतजाम भी हो गया।

लेकिन जनाब, जरा ठहरिए! क्या इन नारों से पार्कों की बतियां जल उठेंगी? क्या गायब सीसीटीवी कैमरे अपने आप ला जाएंगे? क्या पुलिस की गश्त बढ़ जाएगी? और क्या अदालतों में वर्षों से लटके मुकदमे फटाफट निपटने लगेंगे?

नारे ध्यान खींच सकते हैं, मगर सुरक्षा का इंतजाम नहीं कर सकते।

हालांकि छात्राओं ने कुछ बेहद जरूरी बातें भी उठाईं। ‘रिपस्ट को अंदर करो, लड़कियों को नहीं’ जैसे नारे ने उस पुरानी सोच पर चोट की, जिसमें अपराधी को पकड़ने के बजाय लड़कियों पर पाबंदियां

महाराजा अग्रसेन: एक ईंट, एक रुपये में छिपा सामाजिक न्याय और अंतिम जन के स्वावलंबन का दर्शन



उनके भीतर करुणा जागी और उन्होंने हिंसक बलि की परंपरा से विमुख होकर अहिंसा का मार्ग चुना। इस घटना का स्वतंत्र समकालीन प्रमाण उपलब्ध नहीं है, इसलिए इसे प्रमाणित ऐतिहासिक घटना के बजाय प्रचलित परंपरागत आख्यान के रूप में समझना चाहिए। फिर भी इसका नैतिक संदेश स्पष्ट है—धर्म का मूल्य केवल अनुष्ठान से नहीं, बल्कि जीवों के प्रति करुणा और व्यवहार की पवित्रता से भी निर्धारित होता है। अहिंसा का अर्थ केवल किसी जीत को शारीरिक पीड़ा न पहुँचाना नहीं है। किसी भूखे को भोजन से वंचित रखना, किसी निर्धन का शोषण करना, श्रमिक का उचित परिश्रमिक रोकना और किसी विश्व व्यक्ति की मजबूरी से अनुचित लाभ उठाना भी मानवीय संवेदना के विरुद्ध है। अग्रसेन की परंपरा को यदि हम आज के जीवन में उतारना चाहते हैं, तो व्यापार में सत्य, व्यवहार में न्याय और समाज में सहयोग को अपना मूलमंत्र बनाना होगा।

अग्रेहा का ऐतिहासिक महत्त्व भी इस विमर्श को ठोस धरातल प्रदान करता है। हरियाणा के हिसार जिले के निकट स्थित अग्रेहा का प्राचीन टीला एक महत्त्वपूर्ण पुरातात्विक स्थल है। हरियाणा पर्यटन विभाग के अनुसार, यहाँ से अग्रेदक नाम से संबंधित मुद्राएँ मिली हैं। विभिन्न उत्खननों में प्राचीन बस्ती, आवासीय संरचनाओं, बौद्ध स्तूप और हिंदू मंदिर के अवशेष प्राप्त हुए हैं। पुरातात्विक साक्ष्य इस क्षेत्र की प्राचीन नगरीय गतिविधियों और व्यापारिक महत्ता को समझने में सहायक हैं। उपलब्ध विवरणों के अनुसार, यहाँ की सांस्कृतिक परतें लगभग चौथी शताब्दी ईसा पूर्व से मध्यकाल तक फैली हुई हैं। इन प्रमाणों से अग्रेहा की प्राचीनता और महत्ता सामने आती है, लेकिन इनके आधार पर महाराजा अग्रसेन के जीवन की प्रत्येक प्रचलित कथा, पाँच हजार वर्ष पुराने राज्य अथवा विश्व के प्रथम गणतंत्र होने के दावे को स्वतः प्रमाणित नहीं माना जा

सकता। इतिहास के प्रति सच्ची निष्ठा यही है कि जहाँ प्रमाण हों, वहाँ तथ्य कहें; जहाँ परंपरा हो, वहाँ परंपरा का उल्लेख करें; और जहाँ जानकारी अधूरी हो, वहाँ अनिश्चितता स्वीकार करें।

अब आइए उस आदर्श पर, जिसने महाराजा अग्रसेन की स्मृति को पीढ़ियों तक जीवित रखा है—एक ईंट, एक रुपया। प्रचलित परंपरा के अनुसार, अग्रेहा में बसने आने वाले नए परिवार की सहायता के लिए प्रत्येक परिवार एक ईंट और एक रुपया देता था। एक ईंट घर बनाने में सहयोग का प्रतीक थी और एक रुपया आजीविका आरंभ करने के लिए आर्थिक सहायता का। इस परंपरा का ऐतिहासिक स्वरूप और उसके लागू होने की पूरी व्यवस्था स्वतंत्र रूप से प्रमाणित नहीं है, फिर भी इसका सामाजिक संदेश असाधारण महत्त्व रखता है। कल्पना कीजिए, किसी गाँव में एक परिवार रोजी-रोटी की तलाश में आता है। उसके पास रहने के लिए घर नहीं, काम शुरू करने के लिए पूँजी नहीं और समाज में कोई परिचित भी नहीं। यदि गाँव के सौ परिवार उसे थोड़ी-थोड़ी सहायता दें, कोई काम सीखने का अवसर दे, कोई औजार उपलब्ध कराए और कोई शुरूआती माल उधार दे, तो वही परिवार कुछ समय बाद अपने पैरों पर खड़ा हो सकता है। यही सामाजिक सहयोग की वास्तविक शक्ति है। सहायता का उद्देश्य किसी को सदा आश्रित बनाए रखना नहीं, बल्कि उसे आत्मनिर्भर बनाना है। एक ईंट केवल निर्माण सामग्री नहीं, सुरक्षित आवास का संकल्प है। एक रुपया केवल मुद्रा नहीं, आर्थिक अवसर का प्रतीक है। दोनों मिलकर कहते हैं कि समाज की उन्नति तभी साध्य है, जब उसमें नए व्यक्ति के लिए भी स्थान हो।

आज इस विचार को व्यवहार में उतारने के लिए प्रत्येक नगर और गाँव में समुदायिक सहायता कोष बनाए जा सकते हैं। जरूरतमंद परिवारों को पारदर्शी व्यवस्था के अंतर्गत आवास, शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और छोटे व्यवसाय के लिए सहायता दी जा सकती है। स्थानीय व्यापारी नवोदित उद्यमियों को मार्गदर्शन दें, करीगर युवाओं को काम सिखाएँ, सक्षम परिवार निर्धन बच्चों की पढ़ाई में सहयोग करें और समाज के साधनहीन लोगों को सम्मानपूर्वक रोजगार से जोड़ें। सहायता का वितरण जाति, धर्म, भाषा अथवा सामाजिक पहचान के भेदभाव से मुक्त होना चाहिए। व्यापार की गरिमा भी इसी सामाजिक उत्तरदायित्व से बढ़ती

जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। इसी तरह आंदोलनकारी भी नारे लगाकर अपना फर्ज पूरा नहीं मान सकते।

सामाजिक कार्यकर्ता मुक्त गुप्ता कहती हैं, "एक बात याद रखिए। सभी पुरुषों को एक ही तराजू में तौलना भी इंसाफ नहीं है। लड़ाई पुरुषों से नहीं, बल्कि अपराधी सोच, यौन हिंसा, दबंगई और दोषियों को बचाने वाली व्यवस्था से होनी चाहिए। पुरुषों को भी इस लड़ाई में भागीदार बनाना होगा।"

भारत को आंदोलनों की जरूरत है, मगर ऐसे आंदोलनों की जो कॉलेजों की चारदीवारी से निकलकर आम महिलाओं की जिंदगी से जुड़ें।

छात्राएं सुरक्षित पार्कों, बेहतर पुलिस व्यवस्था, तेज सुनवाई और पीड़िताओं की मदद के लिए अभियान चलाएँ। मजदूर महिलाओं, ग्रामीण संगठनों, वकीलों, शिक्षकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर काम करें। सोशल मीडिया का इस्तेमाल भी हो, लेकिन वायरल वीडियो ही आंदोलन की मंजिल न बन जाएँ। आस्था कुंज की घटना प्रशासन की नाकामी पर सवाल उठाती है। इसका जवाब यह नहीं हो सकता कि लड़कियां शाम के बाद घरों में बैठी रहें और खतरनाक जगहों की बदस्तजामी जस की तस बनी रहे।

आखिर आंदोलन की कामयाबी लाइक, शेयर और टालियों से नहीं, जिंदगी में आए बदलाव से मापी जानी चाहिए।

एक नारा कॉलेज हिला सकता है। लेकिन अखंडी क्रांति तभी होगी, जब उसका असर सड़क, गांव, दफ्तर और घर तक पहुँचे। जब आम महिला बिना खौफ जी सके, तभी समझिए कि नारेबाजी ने इंसाफ की राह प्रदीप्त की है।

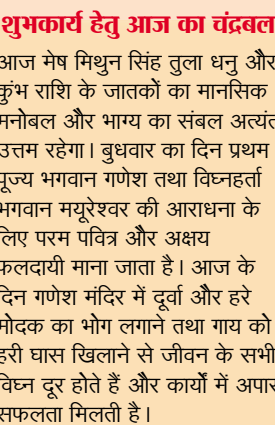
है। उचित तौल, शुद्ध वस्तु, स्पष्ट मूल्य, समय पर भुगतान और श्रमिक के प्रति न्याय—ये केवल व्यापारिक नियम नहीं, सामाजिक विश्वास की नींव हैं। धन कमाना अनुचित नहीं, अनुचित है धन के लिए किसी की विवशता का लाभ उठाना। लाभ आवश्यक है, लेकिन ऐसा लाभ जो समाज का विश्वास नष्ट करके कमया जाए, वह दीर्घकालीन समृद्धि का आधार नहीं बन सकता।

महाराजा अग्रसेन की परंपरा को केवल किसी एक समुदाय तक सीमित कर देना भी उसके व्यापक लोककल्याणकारी संदेश को छेदा करना होगा। उनका स्मरण हमें यह सोचने की प्रेरणा देता है कि समृद्ध समाज कैसा होना चाहिए—जहाँ उद्यम को प्रोत्साहन मिले, जरूरतमंद को अवसर मिले, स्त्री को सम्मान मिले, श्रम को उचित मूल्य मिले और किसी व्यक्ति की निर्धनता उसकी सामाजिक उपेक्षा का कारण न बने। आज देश के सामने बेरोजगारी, आर्थिक विमत्ता, छोटे व्यवसायों की कठिनाइयाँ और ग्रामीण परिवारों की आजीविका जैसी अनेक चुनौतियाँ हैं। इनका समाधान केवल भाषणों, उत्सवों और स्मारकों से नहीं होगा। इसके लिए स्थानीय स्तर पर सहयोग की संस्थाएँ, कौशल विकास, सुलभ ऋण, ईमानदार व्यापार और जनभागीदारी आवश्यक हैं। स्मृति तभी सार्थक होती है, जब वह वर्तमान की समस्या का समाधान खोजने में सहायक बने।

महाराजा अग्रसेन को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम अपने आसपास किसी ऐसे व्यक्ति को पहचानें, जिसे थोड़े सहयोग से नया जीवन आरंभ करने का अवसर मिल सकता है। किसी बेरोजगार युवा को काम सिखाएँ, किसी निर्धन विद्यार्थी की पढ़ाई का भार बाँटें, किसी जरूरतमंद परिवार को सुस्थित आवास दिलाने में सहयोग करें और किसी छोटे उद्यमी को सम्मानपूर्वक आगे बढ़ने का अवसर दें। क्योंकि समाज की वास्तविक संपन्नता उसके धनवान नागरिकों की संख्या से नहीं, बल्कि उन लोगों की स्थिति में नागरिकी जाती है जिन्हें कठिन समय में कोई अकेला नहीं छोड़ता।

एक ईंट किसी का घर बना सकती है, एक रुपया किसी के व्यवसाय की शुरुआत कर सकता है और एक संवेदनशील निर्णय किसी परिवार की पीढ़ियों का भविष्य बदल सकता है। अग्रसेन की परंपरा का सार यही है—समृद्धि का सम्मान तभी, जब उसका लाभ समाज के अंतिम जन तक पहुँचे।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें! प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपको सुविधा को सर्वोपरि रखता है। राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों इसी अंश्रेय से हम आपको एक दिन अधिम (Advance) और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल की पहली सीढ़ी है।
 मेघ आज कार्यक्षेत्र में आपको अपनी मेहनत का पूरा फल मिलेगा और उच्च अधिकारियों का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक मामलों में किए गए निवेश से भविष्य में बड़ा लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। गणेश जी को दुर्वा अर्पित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हो।  वृष आज आपकी राशि पर बुध की अनुकूल स्थिति के कारण व्यापार में कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है। परिवार के साथ किसी सुंदर स्थल पर समय बिताने का अवसर मिलेगा जिससे मन प्रसन्न रहेगा। किसी जरूरतमंद को हरी मृंग की दाल का दान करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे। मिथुन आज आपकी वाणी की प्रभावशीलता से आपके रुके हुए कार्य तेजी से गति पकड़ेंगे और लोग आपकी कार्यशैली की सराहना करेंगे। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा और उच्च शिक्षा में सफलता मिलेगी। गुणपति अथर्वशीर्ष का पाठ करें जिससे आपकी बौद्धिक क्षमता और अधिक प्रखर होगी

मिलने के योग बन रहे हैं।। बुधवार का व्रत रखें जिससे आपके करियर की बाधाएं समाप्त होगी।

कुंभ

आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए कार्य तेजी से गति पकड़ेंगे और मन प्रसन्न रहेगा। लंबी दूरी की किसी लाभदायक यात्रा के योग बन रहे हैं। भगवान गणेश को मोदक का भोग लगाएं जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत होगी।

मीन

आज आर्थिक मामलों में बहुत सावधानी बरतने की आवश्यकता है और किसी भी अनजान योजना में निवेश करने से बचें। पारिवारिक माहौल शांत रहेगा और जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। मंदिर में जाकर गरीबों को हरी सब्जियां वितरित करें जिससे आपके सभी संकट दूर होंगे।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र बुधवार के दिन घर के उत्तर यानी ईशान कोण को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहाँ हरे रंग के पौधे लगाने तथा भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा माता लक्ष्मी और गणेश की कृपा से व्यापार में अटूट समृद्धि का वास होता है।
--

कृष्णभक्ति और ब्रज साहित्य की गूंज, अष्टछाप कवि कृष्णदास को किया याद

सूरदास ब्रज भाषा अकादमी में जयंती पर विचार एवं काव्य गोष्ठी आयोजित।

- विद्वानों ने कृष्णदास जी के व्यक्तित्व, कृतित्व और भक्ति साहित्य में योगदान पर रखे विचार।
- कवियों ने रचनाओं के जरिए ब्रजभाषा की समृद्ध परंपरा को किया याद।
- सरस्वती वंदना और काव्य पाठ के साथ साहित्यकारों ने साझा किए विचार।

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

गोवर्धन के पारासोली स्थित सूरदास ब्रज भाषा अकादमी में अष्टछाप कवि कृष्णदास महाराज की जयंती के उपलक्ष्य में विचार एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें ब्रज भाषा के विद्वानों और रचनाकारों ने कृष्णदास जी के व्यक्तित्व, कृतित्व और भक्ति



साहित्य में उनके योगदान पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के अपर मुख्य कार्यापालक अधिकारी राजीव पांडेय और ब्रज भाषा के प्रमुख रचनाकार राधा गोविन्द पाठक ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया। अकादमी

के निदेशक डॉ. केशव देव शर्मा ने अतिथियों का उत्तरीय पहनाकर स्वागत किया।

डॉ. शर्मा ने कहा कि कृष्णदास जी जैसे कृष्णभक्त कवियों का जीवन और साहित्य शताब्दियों बाद भी ब्रजवासियों के साथ-साथ समूचे विश्व के लिए प्रेरणास्रोत है। उनकी कविताओं में सहज ज्ञान

और भक्ति की धारा निरंतर प्रवाहित होती है। ऐसे कवियों के साहित्य और विचारों को जन-जन तक पहुंचाना ब्रज भाषा की परंपरा को जीवंत बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

कार्यक्रम में गोपाल उपाध्याय ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की, जबकि मंच संचालन ब्रज भाषा के मनीषी

हरिबाबू ओम ने किया। वक्ताओं ने कहा कि अष्टछाप के कवियों की रचनाएं आज भी कृष्णभक्ति और ब्रज की सांस्कृतिक परंपरा को समृद्ध कर रही हैं।

इस अवसर पर पूर्ण प्रकाश कौशिक, देवी प्रसाद गौड़, केसी गौर, रेनु उपाध्याय, मोहन माही, महेश चन्द्र शर्मा, हरे कृष्ण शर्मा, डॉ नन्द किशोर शास्त्री, अमर सिंह द्वितीय, श्याम बाबू कौशिक, मोहित मनोहर, सतीश एकांत, शिल्पी केशोरैया और कीर्ति शर्मा सहित अन्य साहित्यकारों ने अपने विचार व्यक्त किए तथा काव्य पाठ किया।

समापन अवसर पर अकादमी निदेशक डॉ. केशव देव शर्मा ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी अतिथियों, साहित्यकारों और सहभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

संस्कृति विवि के दीक्षांत समारोह में 2025 के उदीयमान विद्यार्थी सम्मानित

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

संस्कृति विश्वविद्यालय के 7वें दीक्षांत समारोह में वर्ष 2025 में उत्तीर्ण होने वाले सभी छात्र-छात्राओं की पूरी मेरिट सूची के आधार पर मेडल और उपाधियां प्रदान की गईं। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी की गई आधिकारिक सूची के अनुसार, विभिन्न संकायों के सभी 144 मेधावी विद्यार्थियों को उनकी श्रेणियों के अनुसार पदक देकर सम्मानित किया गया है। सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में फ्रेडरिक माकेमा, अर्चना कुमारी, हवा अब्दुल्लाही हैली, शगुन सैनी, रिया जैन, रिया कुमारी, वर्षा चौधरी, प्राप्ति जैन, मुस्कान तिवारी, रितु अनानी याकाश याप, भूमिका शर्मा, सुमित, पवन कुमार, नवीन कुमार वर्मा, समीक्षा शर्मा, सुमित, हरी ओम शर्मा, अर्दिति सिन्हा, साधना सिंह, संजना चौधरी, डिंकी रोमो, एकता पाठक, मनोज चौधरी, कोमल कुमारी, हर्षिता प्रभाकर, सुनील कुमार सैनी, चिंकी शर्मा, अभिषेक सोलंकी, शिवानी सिंह, अमरीश वाघेला, शिवानी शर्मा, लोकेश गुप्ता, श्रेया सारस्वत, काजल वर्मा, पूर्णिमा रहेला, के.एम. पूम शर्मा, शुभम वाषिर्ने, सचिन कुमार सिंह, भानु प्रताप सिंह, राजवर्धन, राहुल कुमार, सचिन, तारा चंद्र पांडेय, कोरानी गोपाल परचुराम, प्रियंका शर्मा, संजना, अभिषेक पटेल, मानसी अग्रवाल, तेजवीर, के.एच.एन. यदनार क्याव तथा साजिद खान शामिल हैं। द्वितीय स्थान पाकर संस्थान का नाम रोशन करने वाले होनहारों में रुचि, नोमुसा सिबांडा, विनीत

कुमार, पुष्पा गुप्ता, मुकेश गुप्ता, अंजलि, भावना शर्मा, अनुष्का भारद्वाज, मोहिनी कुशवाहा, मोहित सिंह, तमन्ना, पूजा सिंह, मनपाल सिंह, गौरव झा, रश्मी, दिलीप शर्मा, दिशा पुरोहित, अभिषेक बेनीवाल, कशिश गुप्ता, गोल्डन कुमारी, स्मिता अग्रवाल, गौरव शर्मा, मुरली, शिखा सागर, जागृति सिंह, आजाद, सोनवीर, शालू कुमारी, शिल्पी मालवीय, तन्मय गौतम, कुमारी लक्ष्मी, अंशू शर्मा, पूर्व गौतम, फरिश्ता चौधरी, अन्वी दीक्षित, प्रिया देवी कर्माकर, तेजवीर सिंह, सत्यम, श्याम, संजीव, मोनू, हरकिशन, नीतेश शर्मा, के.एम. साक्षी पटेल, के.एम. अंशु तिवारी, वंशिका सक्सेना, शहनाज परवीन, मुस्कान शर्मा, ध्रुव भारद्वाज, मिन प्याए सोने तथा सोनू कुमार शामिल हैं। तृतीय रैंक हासिल कर सफलता का परचम लहराने वाले विद्यार्थियों में सिरुआना जोशी, गोविंद गोयल, निशा गुप्ता, के.एम. तबस्सुम, प्रियंका तिवारी, दिगंबर, निशा तिवारी, रीतिका, खुशी शर्मा, तनीश कुमार, विकास पांडेय, ब्रजेश पांडेय, कुशल पाल, सुजन साक्षी, पूजा खंडेलवाल, अनंत कुमार वत्सा, भूमिका अग्रवाल, सुश्री कुमकुम शर्मा, सुश्री तनु कुमारी, के.एम. प्रियोला यादव, शुभम, खुशी गुप्ता, निष्कर्ष साहू, दीपक टी.आर., खुशी सिंह सबा, शेख अब्दुल लतीफ, डॉली, शिकत मुल्ला, गायत्री पोनिया, अरुण कुमार गौतम, प्रिंस वाषिर्ने, कुलदीप, दिनेश, जीतू, प्रीतम सिंह, कृष्णा, कुणाल गौतम, श्वेता, तीना सिंह, राजन शर्मा, मुस्कान नाजिर तथा ज्योति शामिल हैं।

दिल्ली से घर लौटा युवक, गंगा किनारे पेड़ से लटका मिला शव

पटियाली। क्षेत्र के मिसराना गांव में सदिरथ परिस्थितियों में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। दिल्ली से घर लौटे 20 वर्षीय युवक का शव बूढ़ी गंगा के किनारे चंदनिया के पेड़ पर गले में अंगोछे के फंदे से लटका हुआ मिला। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।



मृतक के बड़े भाई अमजद ने जानकारी देते हुए बताया कि अरबाज दिल्ली में रहकर ओला गाड़ी चलाते का काम करता था। वह सोमवार की सुबह करीब 3 बजे ही दिल्ली से अपने घर वापस आया था। परिवार के लोग उसकी वापसी से खुश थे, लेकिन सोमवार की रात्रि करीब 9 बजे अचानक पता चला कि अरबाज ने गांव के पास स्थित बूढ़ी गंगा के किनारे चंदनिया के पेड़ पर अंगोछे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है।

यह खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और वे रोते-बिलखते घटनास्थल पर पहुंचे। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना पुलिस तुरंत मौके पर मुस्तैद हुई। इसके साथ ही फॉरेंसिक टीम को भी बुलवाया गया, जिसने मौके से साक्ष्य संकलित किए। पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाकर पोस्टमार्टम गृह भिजवा दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक चार भाई और तीन बहनें हैं। इस अचानक हुई घटना से मां रहीसा बेगम समेत पूरे परिवार का गै-रोकर बुरा हाल है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के असल कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा, फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

जय श्रीराम के जयघोष से गुंजा कस्बा, ध्वज स्थापना के साथ रामलीला का आगाज



○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

अम्रापुर कस्बे में प्रभु श्रीराम की लीलाओं के मंचन को तैयारियां होने लगी हैं। संगीतमय आदर्श श्रीराम लीला महोत्सव मंचन का गणेश पूजन के साथ कस्बे के बारहद्वारी स्थित घंटाघर पर गाजे-बाजे के साथ धूमधाम से झंडी स्थापित की गई। इसी के साथ श्रीरामलीला महोत्सव का शुभारंभ हो गया। सोमवार देर शाम पंडित गुड्डू पाराशर ने विधि-विधान पूर्वक वैदिक मंत्रोच्चारण से पूजा-अर्चना सम्पन्न कराई। आदर्श श्रीरामलीला महोत्सव कमेटी व श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से महाआरती व पुष्प वर्षा कर प्रसाद वितरित किया गया। इस मौके पर वातावरण जय श्रीराम के गगनभेदी जयघोष से गूंज उठा।

जनसुनवाई में शिकायत मिलते ही एक्शन, अतिक्रमण पर चला निगम का हथौड़ा!

राधेश्याम कॉलोनी में गली निर्माण की बाधा हटाई, प्रवर्तन दल ने सीढ़ियां और स्लेब तुड़वाए।

- राधेश्याम कॉलोनी में गली निर्माण के दौरान अतिक्रमण से हो रही थी परेशानी।
- 10 परिवारों के घरों के सामने बनी सीढ़ियां और स्लेब को हटवाया।
- नगर आयुक्त के निर्देश पर प्रवर्तन दल ने मौके पर पहुंचकर की कार्रवाई।

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

नगर निगम मथुरा-वृंदावन की ढासंभवह्म जनसुनवाई में गली निर्माण में बाधा और अतिक्रमण की शिकायत पर तत्काल कार्रवाई की गई। वार्ड संख्या-12 स्थित राधेश्याम कॉलोनी में मार्ग निर्माण के दौरान घरों के सामने बनी सीढ़ियों और स्लैब के कारण काम प्रभावित होने की शिकायत मिली थी।

नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने शिकायत का संज्ञान लेते हुए प्रवर्तन दल को मौके पर भेजा।



टीम ने मौके पर पहुंचकर मार्ग निर्माण में अवरोध बन रही सीढ़ियों और स्लैब को हटवाया। इसके बाद शिकायत का निस्तारण कराया गया।

नगर निगम की इस कार्रवाई से

मार्ग निर्माण में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास किया गया। जनसुनवाई में शिकायत मिलने के बाद उसी दिन कार्रवाई किए जाने को लेकर निगम की त्वरित कार्यप्रणाली चर्चा में रही।

अड़ींग पंचायत में मनरेगा पर घपले के आरोप, मजदूर काम से महरूम

- कई जातियों के मजदूरों को जाँब कार्ड और काम नहीं मिलने का आरोप, रोजगार सेवक की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल।
- 39 करोड़ की परफॉर्मेंस ग्रांट में गड़बड़ी की जांच को लेकर भी ग्रामीणों ने जताई नाराजगी।
- फर्जी वर्क आईडी और बिना काम हाजिरी दर्ज कराने के आरोप, भुगतान में अनियमितता की भी चर्चा।
- पंचायत सदस्यों की शिकायत पर कार्रवाई नहीं होने का दावा, जांच रिपोर्ट के बाद आयोग से दोबारा शिकायत की तैयारी।

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

जनपद स्थित गोवर्धन तहसील का ग्राम पंचायत अड़ींग में 39 करोड़ की परफॉर्मेंस ग्रांट में गड़बड़ी की जांच लोकायुक्त के निर्देश के बाद भी धरातल पर नहीं होने के आरोप हैं वहीं यहां वीबीजी रामजी (मनरेगा) में भी व्यापक घपला सामने आया है। तैनात सविदा मनरेगा रोजगार सेवक द्वारा जाट, यादव, रजक, कोली, बर्गी, कुम्हार, भांतू आदि अनेक जातियों के लोगों के नतो जाब कार्ड बनाये और न इनमें से किसी को पूरे पांच साल में काम दिया। हाल यह है कि लाभार्थी चढ़ते श्रमिकों को सुबह-दोपहर फोटो खिंचवाकर कागजी काम चल रहा बताया गया है। पंचायत में

जितनी वर्क आईडी पर काम दशायें गया है उसमें से बहुतों पर काम का अता पता नहीं है। सालीके से हालिया कामों की जांच हो तो घपला उजागर हो सकता है। ग्रामीणों की मांनें तो पंचायत राज विभाग के आला अफसरों के लिए अड़ींग पंचायत सोने के अंडे देने वाली मुर्गी बनी हुई है। इसी का नतीजा है कि शिकायतों और प्रमाणों के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। पंचायत में बीबीजी रामजी में 2025-26 में कुल 1217 श्रमिक पंजीकृत थे। इनमें से 1019 एस सी श्रेणी के व कुल 198 अन्य श्रेणी के श्रमिक कार्ड धारक थे। भुगतान की बात करें तो साल 2024-25 में जब बगैर आन लाइन हाजिरी के

रोजगार सेवक की शिकायतों पर कार्रवाई नहीं

मथुरा। अड़ींग पंचायत में तैनात सविदा मनरेगा रोजगार सेवक की शिकायत पंचायत के बहुसंख्य सदस्यों ने डीपीआरओ से की। उनका आरोप था कि मेरी पंचायत एप पर रोजगार सेवक ने पूरे पांच साल अपना निजी मोबाइल नंबर डाले रखा। इससे पंचायत में आने वाली ग्रांट की जानकारी से एक दर्जन सदस्य वंचित रहे। एप के स्क्रीन शॉट की फोटो कापी के प्रमाणों के साथ सदस्यों ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को भी शिकायत की। इसकी जांच क्षेत्राधिकारी गोवर्धन अनिल कुमार ने की। बयानों में यह तथ्य लिखा गया लेकिन जांच का परिणाम शुन्य करते हुए कोई कार्रवाई सरकारी एप में धोखाधड़ी करने वाले के खिलाफ नहीं की। 8 अप्रैल 2026 को भेजी जांच रिपोर्ट की प्रति आयोग ने सदस्यों को भेजी है। सदस्य इसे फिर से आयोग को भेजने की तैयारी कर रहे हैं।

काम होता था तब अन्य श्रेणी के श्रमिकों को पूरे साल में करीब 5 लाख 48021 रुपए एवं अनुसूचित जाति के श्रमिकों को 8 लाख 59255 रुपए का भुगतान हुआ। इनमें से कयी ब्राह्मण, वैश्य आदि ऐसे थे जिन्होंने कभी जीवन में फावड़ा नहीं पकड़ा। चालू वित्तीय वर्ष में अनुसूचित श्रेणी के अलावा अन्य श्रेणी के श्रमिकों का काम बेहद घट गया है ?। जब तक बगैर काम और आन लाइन हाजिरी के कुछ पैसा मिल जाता था काम चल रहा था। अब एससी वर्ग के चुनिंदा श्रमिकों की हाजिरी कराकर फर्जी वर्क आई डी पर

काम दिखाये जाने की चर्चा आम है। सूत्रों की मांनें तो बगैर काम के हाजिरी चढ़ाने वाले श्रमिकों से पैसे में हिस्सेदारी लेली जाती है। धरातल पर काम कम और कागज में ज्यादा चल रहा है। उल्लेखनीय है कि पंचायत के पूरे पांच साल के कार्यकाल में प्रधान और सचिवों को 39 करोड़ की परफॉर्मेंस ग्रांट के कामों से ही फुर्सत नहीं हुई। बीबी जी रामजी में खेल चलता रहा ?।अनियमितताओं की अनेक शिकायतों पर जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो इस तरह की शिकायत मजदूर तबके के लोग किससे करें।

मां चंद्रघंटा के दरबार में उमड़ा आस्था का सैलाब, जयकारों से गूंजे मंदिर

नवरात्र के तीसरे दिन मंदिरों में उमड़ी भीड़, भक्तों ने मांगा सुख-समृद्धि का आशीर्वाद

○ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

शारदीय नवरात्र के तीसरे दिन जनपदभर में भक्ति और आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। मां दुर्गा के तृतीय स्वरूप मां चंद्रघंटा की स्तुति के साथ मंदिरों में घंटे-घड़ियालों की गूंज और जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। ब्रह्म मुहूर्त से ही देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लग गया, जो दिन चढ़ने के साथ और अधिक गहराता चला गया। भक्तों ने विधि-विधान से मां की पूजा-अर्चना कर अपने परिवार के मंगल की कामना की और शत्रुओं के नाश का आशीर्वाद मांगा।

नवरात्र के तीसरे दिन शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक के देवी मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। हाथों में जल कलश, पूजा की थाली, चुनरी और नारियल लिए श्रद्धालु अहले सुबह ही मंदिरों की ओर चल पड़े।

शहर के प्रसिद्ध माता काली मंदिर, माता चामुंडा मंदिर, माता संतोषी मंदिर, गली बोहरान स्थित माता संतोषी मंदिर और माता दुर्गा मंदिर समेत सभी शक्तिपीठों में भक्तों ने कतारबद्ध होकर मां के दर्शन किए। इस दौरान माता के दरबार को भव्य रूप से सजाया गया था। फूलों और विद्युत प्रकाश



से सुसज्जित मां की प्रतिमा की मोहक छटा देखते ही बन रही थी। मनमोहक छवि के दर्शन कर भावविभोर हुए भक्तों ने माथा टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया।

दूध और उससे बने व्यंजनों का लगाया भोग

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां चंद्रघंटा को दूध और दूध से बने मिष्ठान व खाद्य पदार्थों का भोग अत्यंत प्रिय है। भक्तों ने परंपरा का निर्वहं करते हुए माता को खीर, दूध और उससे बनी मिठाइयों का भोग अर्पित किया। मान्यता है कि इस स्वरूप की पूजा करने से साधक को औपचारिकता से मुक्ति मिलती है और आध्यात्मिक शक्ति के साथ-

साथ शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने का बल मिलता है।

मेले जैसा रखा माहौल, जमकर हुई खरीदारी

मंदिर परिसरों में उमड़ी भारी भीड़ के चलते आसपास के क्षेत्रों में मेले जैसा जीवंत दृश्य नजर आया। दर्शन-पूजन के पश्चात श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर व आसपास सजी दुकानों से जमकर खरीदारी की। महिलाओं और बच्चों ने पूजन सामग्री के साथ-साथ जरूरत का अन्य सामान खरीदा। पुलिस प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा और शांति व्यवस्था को लेकर मंदिरों के आसपास पुख्ता इंतजाम देखे गए।

नवरात्रि में सुरक्षा का सख्त पहरा, पंडालों से मंदिरों तक पुलिस की पैनी नजर

एसपी ने सोरों क्षेत्र में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था परखी, पुलिसकर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश

- दुर्गा पंडालों, रामलीला स्थलों और मंदिरों का किया निरीक्षण
- मिश्रन शक्ति के तहत महिलाओं-बालिकाओं की सुरक्षा पर जोर
- हुडदंगियों पर नजर रखने के लिए पुलिस बल तैनात

○ टीएनएफ टुडे, कासगंज।

शारदीय नवरात्रि और विजयदशमी पर्व को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से एसपी ओ.पी. सिंह ने मंगलवार को भारी पुलिस बल के साथ थाना सोरों क्षेत्र में पैदल गश्त की। इस दौरान उन्होंने प्रमुख दुर्गा पंडालों, रामलीला स्थलों और मंदिरों का औचक जायजा लिया तथा सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों को मुस्तैद रहने के कड़े निर्देश दिए।

आटवीं की छात्रा के हाथों में आई ब्लॉक की कमान, एक दिन के लिए बनीं बीडीओ!

बालिकाओं में नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए की गई पहल

○ टीएनएफ टुडे, कासगंज।

बालिकाओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और निर्णय लेने की योग्यता विकसित करने के उद्देश्य से मंगलवार को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, पटियाली की कक्षा आठ की छात्रा कुमारी प्रियांशी मिश्रा को एक दिन के लिए खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) बनाया गया।

इस दौरान छात्रा को प्रासनिक जिम्मेदारियों से परिचित कराते हुए विकासखंड स्तर पर संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी गई। पटियाली ब्लॉक में बीडीओ संजीव कुमार के स्थान पर प्रियांशी मिश्रा को एक दिन का सकेतिक प्रभार सौंपा गया।

खेल के मैदान में बच्चों का दमदार प्रदर्शन, दौड़-कूद से कबड्डी तक दिखाया दमखम!

खेलकूद प्रतियोगिताओं में विजेताओं को पुरस्कार देकर किया सम्मानित

○ टीएनएफ टुडे, कासगंज।

विकास खंड अमांपुर की न्याय पंचायत कछेला शेरपुर की खेलकूद प्रतियोगिताएं मंगलवार को कंपोजिट विद्यालय थरा चीतरा में आयोजित की गईं। प्रतियोगिता का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद बच्चों ने मां शारदे की वंदना प्रस्तुत की। विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विजयी प्रतिभागियों को अतिथियों ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

बालक वर्ग की 50 मीटर दौड़ में अजीत, अंकित और अंकित, 100 मीटर में अंकित, भानु और संदीप तथा 200 मीटर में संदीप, जैद और अंकित क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय रहे। लंबी कूद में लोकेंद्र, संदीप और विवेक ने स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग की दौड़ में

राशि, सुनैना और अनन्या सहित अन्य खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जूनियर बालक वर्ग की 100 मीटर दौड़ में आर्यन, 200 मीटर में ममतेश और 400 मीटर में गोविंद प्रथम रहे। लंबी कूद में तौसीफ ने पहला स्थान हासिल किया। जूनियर बालिका वर्ग में 100 मीटर दौड़ में सोनम, 200 मीटर में हेमा और 400 मीटर में निशा प्रथम रहीं। लंबी कूद में हेमा ने बाजी मारी। कबड्डी के प्राथमिक बालक और बालिका वर्ग में भडैरी की टीम विजेता तथा थरा की टीम उपविजेता रही। जूनियर बालक वर्ग में थरा और बालिका वर्ग में भडैरी की टीम विजेता बनी। इस अवसर पर ब्लॉक पीटीआई मुनेश राजपूत सहित प्रेमपाल सिंह, राजपाल सिंह, सुधीर भदौरिया, दिव्या वर्मा, पीयूष अग्रवाल, शिवम कुमार, अनुपम सिंह, रूबी, मनोज कुमार, अर्चना तोमर और अन्य शिक्षक व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सफाई कर्मचारी से अभद्रता पर भड़का आक्रोश, ब्लॉक पर गरजे कर्मचारी

कासगंज। अमांपुर की ग्राम पंचायत रामामऊ में तैनात सफाई कर्मचारी के साथ प्रधान पति द्वारा अभद्रता किए जाने के मामले में मंगलवार को उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ की शाखा कासगंज के बैनर तले अमांपुर ब्लॉक परिसर में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया गया। कर्मचारियों के विरोध की जानकारी मिलने पर विभागीय अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले का संज्ञान लिया। अधिकारियों की पहल पर प्रधान पति ने लिखित माफीनामा दिया, जिसके बाद कर्मचारियों ने धरना स्थगित कर दिया। धरने की अध्यक्षता करते हुए संगठन के जिला महामंत्री सुखवीर सिंह ने

कहा कि ग्राम प्रधानों द्वारा सफाई कर्मचारियों के साथ अप्रद व्यवहार किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह ने बताया कि कुछ दिन पहले रामामऊ के प्रधान पति और सफाई कर्मचारी के बीच मोबाइल पर हुई बातचीत में गाली-गलौज और अभद्र भाषा का ऑडियो वायरल हुआ था। संगठन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आंदोलन किया। सूचना पर एडीओ पंचायत मंजुल कुमार और एडीओ आरडी ने कर्मचारियों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्रधान पति फूल सिंह को अमांपुर ब्लॉक बुलाकर सफाई कर्मचारी शिशुपाल और उनके बीच सुलह-समझौता कराया। अधिकारियों ने प्रधान पति को

फटकार लगाते हुए भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न करने की हिदायत दी। जिला कार्यवाहक अध्यक्ष विशाल चरन ने चेतावनी दी कि यदि जनप्रतिनिधियों द्वारा सफाई कर्मचारियों के साथ इस तरह का व्यवहार किया गया तो संगठन आंदोलनात्मक कदम उठाएगा। इस दौरान श्याम बाबू, गिरीश चंद्र, जय सिंह, श्याम सिंह, नदीम अख्तर, ओमवीर सिंह, रंजीत कुमार, सुनील कुमार, भोजराज सिंह, जोगिंदर सिंह, शैलेंद्र कुमार, युधिष्ठिर सिंह, किशोर कुमार, ओंकार, सत्य प्रकाश, जयप्रकाश, सोरन, सरोज, रूमा देवी और अनिल कुमार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।



प्रचारक एटा विभाग ब्रज प्रांत),श्री अमलेन्दु शर्मा जी भाई साहब (विभाग व्यवस्था प्रमुख एटा विभाग ब्रज प्रांत) विशिष्ट अतिथि प्रमुख व्यवसायी गोपाल माहेश्वरी बौज वाले एवं छर्रां से पधारे प्रमुख व्यवसायी नवनीत माहेश्वरी रहे।श्री रामलीला मंचन श्री भावेश भारद्वाज (चूंदावन) के निदेशन में हुआ। कार्यक्रम के पुरोहित पं. ओम प्रकाश

नवरात्रि में सुरक्षा का सख्त पहरा, पंडालों से मंदिरों तक पुलिस की पैनी नजर

एसपी ने सोरों क्षेत्र में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था परखी, पुलिसकर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश

○ टीएनएफ टुडे, कासगंज।

शारदीय नवरात्रि और विजयदशमी पर्व को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से एसपी ओ.पी. सिंह ने मंगलवार को भारी पुलिस बल के साथ थाना सोरों क्षेत्र में पैदल गश्त की। इस दौरान उन्होंने प्रमुख दुर्गा पंडालों, रामलीला स्थलों और मंदिरों का औचक जायजा लिया तथा सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों को मुस्तैद रहने के कड़े निर्देश दिए। जनपदवासियों को पावन पर्व की शुभकामनाएं देते हुए स्पष्ट किया कि शासन और पुलिस प्रशासन हर नागरिक की सुरक्षा और आस्था के सम्मान के लिए पूरी तरह कटिबद्ध है। मिशन शक्ति के तहत विशेष प्रबंध एसपी ने बताया कि जनपद के प्रत्येक थाने में नवरात्रि के मद्देनजर व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रमुख पंडालों, मंदिरों और धार्मिक आयोजनों में शामिल होने वाली महिलाओं और बालिकाओं को पूरी तरह सुरक्षित और सम्मानजनक माहौल मिले, इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार के 'मिशन शक्ति फेज

गांव की सुरक्षा करने वालों का बड़ा मान, ग्राम प्रहरियों को मिला सम्मान

उत्कृष्ट कार्य करने वाले ग्राम प्रहरी सम्मानित, मानदेय वृद्धि की जानकारी के साथ बांटी गई सुरक्षा सामग्री

- योगी के संबोधन का हुआ सजीव प्रसारण
- डीएम-एसपी ने सुनी समस्याएं, जल्द समाधान के निर्देश
- मानदेय 2500 रु से बढ़ाकर 3500 रु किए जाने की दी जानकारी

○ टीएनएफ टुडे, कासगंज।

ग्रामीण क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और पुलिस को जमीनी स्तर पर सहयोग देने वाले ग्राम प्रहरियों के सम्मान में मंगलवार को रिजर्व पुलिस लाइन के ऑडिटोरियम में सम्मेलन आयोजित किया गया। जिलाधिकारी प्रणय सिंह और पुलिस अधीक्षक ओपी सिंह हे अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि नीरज शर्मा भी मौजूद रहे। इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले ग्राम प्रहरियों को प्रशस्ति पत्र बिना देरी किए स्थानीय थाने या पुलिस कंट्रोल रूम को सूचित कराएं।

सीएम योगी के संदेश का हुआ

हौसलों को सलाम! मिशन शक्ति में चमकीं बेटियां, महिला शक्ति का हुआ सम्मान



बालिकाओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक ओ0पी0 सिंह रहे, जिन्होंने अपने हाथों से जिले की इन होनहार विभूतियों को प्रशस्ति पत्र और प्रशिक्षे चिन्ह भेंट किए।

इस विशेष सम्मान समारोह में जिले की उन महिलाओं और बेटियों को मंच मिला, जिन्होंने अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प से समाज

में एक मिसाल कायम की है:

वीरता और बहादुरी: विषम और कठिन परिस्थितियों में भी अदम्य साहस और दिलेरी का परिचय देने वाली बालिकाओं को उनकी वीरता के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। खेल के मैदानों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जनपद और प्रदेश का नाम रोशन करने वाली प्रतिभावान महिला खिलाड़ियों

महिलाएं समाज का मुख्य स्तंभ हैं: पुलिस अधीक्षक ओ0पी0 सिंह

समारोह को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक श्री ओ0पी0 सिंह ने कहा कि 'महिलाएं और बालिकाएं हमारा समाज की रीढ़ और मुख्य स्तंभ हैं। 'मिशन शक्ति' अभियान का मूल उद्देश्य केवल उन्हें सुरक्षा का अहसास कराना भर नहीं है, बल्कि उनकी छिपी हुई प्रतिभा को पहचानकर उन्हें समाज में आगे बढ़ने के लिए समान अवसर और पूरा सम्मान देना है। आज सम्मानित होने वाली प्रत्येक महिला और बेटी इस पूरे समाज के लिए एक जीवंत प्रेरणा स्रोत है। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्राधिकारी नगर आंचल चौहान, क्षेत्राधिकारी लाइन दुर्गेश कुमार मिश्र, प्रतिसार निरीक्षक सुभाष सिंह सहित भारी संख्या में पुलिस बल और गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभागार में मौजूद हर शख्स ने इन होनहार बेटियों की सफलता पर गर्व महसूस किया।

को पुलिस अधीक्षक ने ढेरों शुभकामनाएं दीं और प्रोत्साहित किया। जिले के विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों में टॉप करने वाली मेधावी छात्राओं को उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया गया। शारीरिक बाधाओं और चुनौतियों को अपने हौसले से मात देकर समाज में प्रेरणादायक कार्य करने

रामलीला महोत्सव के चलते बड़े वाहनों की नो एंट्री!	
कासगंज। अमांपुर कस्बे के बारहद्वारी घंटाघर कालेज रोड की ओर बड़े वाहन से जा रहे हैं तो उस ओर मत जाइए। कस्बे में रामलीला महोत्सव मंचन के लिए मंच बारहद्वारी पर ही बनाया गया है। यहीं पर रामलीला का मंचन होगा। आदर्श श्री रामलीला कमेटी ने लोगों से सहयोग की अपील की हैं। इस मार्ग पर बड़े वाहन लेकर नही आये। मंगलवार को कस्बे के बारहद्वारी घंटाघर पर रामलीला मंचन के लिए तैयारियां जोरों पर चल रही थीं। ऐसे में रामलीला मंचन की वजह से बारहद्वारी पर होकर बड़े वाहन नहीं गुजर पाएंगे।? कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विकास सक्सेना, कस्बा इंचार्ज जगदीश सिंह ने बताया कि पुलिस भी रामलीला महोत्सव के दौरान बड़े वाहनों का चौराहा से होकर गुजरने वाले बड़े वाहनों को रोकेगी। रामलीला महोत्सव पर होने वाले आयोजनों के बारे में भी जानकारी रखें। रामभारत व राजगद्दी शोभायात्रा के दौरान भी मार्गों पर जानकारी होने के बाद ही गुजरें। जिससे वाहन चालक शोभायात्रा के समय जाम में न फंसें। श्री रामलीला कमेटी के द्वारा प्रमुख कार्यक्रम की तिथियों की जानकारी जारी कर दी गई है। 16 अक्टूबर को शाम पांच बजे से राम भारात भ्रमण, 17 अक्टूबर कन्यादान, 21 अक्तूबर को रावण वध और मेला व 22 अक्तूबर को राजगद्दी का आयोजन किया जायेगा।	

व्रत में कुट्ट की पकौड़ी खाना पड़ा भारी, महिला की बिगड़ी तबीयत

कासगंज। कुट्टू का आटा खाने से अमांपुर कस्बे के गांधीनगर में एक महिला व्रत के दौरान कुट्ट की पकौड़ी खाना महंगा पड़ गया।? महिला की? तबियत खराब होने पर उसे निजी चिकित्सक के? यहां भर्ती कराया गया है।? अमांपुर कस्बे के गांधीनगर निवासी दुर्गेश कुमारी पत्नी यतेन्द्र कुमार नवरात्र में व्रत रह रही हैं। सोमवार को उन्होंने व्रत होने पर कूट के आटे की पकौड़ी बनाकर खाई थी। इसके बाद रात्रि में दुर्गेश कुमारी की अचानक तबियत खराब हो गई। उन्हें पेट में दर्द, उल्टी और चक्कर आने लगे।? हालत बिगड़ने पर परिजनों ने अन्न-अन्न-उन्हें निजी चिकित्सक के यहां उपचार हेतु ले गए। जहां चिकित्सक ने फूड प्वाइजनिंग बताया।? जहां उपचार के बाद उनकी हालत में सुधार हुआ।

भजनों की गूंज और लांगुरिया पर थिरके कदम, भक्तिमय हुआ माहौल

कासगंज। साहित्यिक सामाजिक अखिल भारतीय श्री मन मस्त सत्संग मंडल के तत्वावधान में आवास विकास कॉलोनी स्थित श्री ममस्त आश्रम के देवी सरस्वती मंदिर में नवरात्रि से प्रारंभ समारोह के अंतर्गत धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान भक्त महिलाओं ने मां सरस्वती का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। इसके बाद छंद, भजन, कीर्तन और लांगुरिया प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। महिलाओं ने भक्ति गीतों पर नृत्य कर मां की आराधना की। मंडल की महामंत्री कु. प्रिज्ञा ने बताया कि गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी देवी मंदिर में भजन-कीर्तन के आयोजन किए जा रहे हैं। उन्होंने भक्तजनों से कार्यक्रमों में भाग लेकर धार्मिक कार्यों में सहयोग करने की अपील की। कार्यक्रम में ह्याथार सजा है तेरा द्वार भवानीहूँ, हारतूने मुझे बुलाया घेरावालिहूँ, हमाता के मंदिर की छटा निराली हैहूँ, हारवलो बुलाया आया है, माता ने बुलाया हैहूँ तथा हाकेला मेया के भवन में छुट्टियां खेले लांगुरियाहूँ सहित अनेक भजन प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर श्रीमती सरला भारद्वाज, सरला त्रिपाठी, मनोरमा ईसवाल, रीना शर्मा, निर्मला उपाध्याय, रंध्या शुक्ला, शैलवाला वाणीय, सुमन, राजमाता, नीलम सर्वेसना, राधिका, नीतिज्ञा, हैमलता, कु. प्रिज्ञा और कु. ढेष्वाी सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं। अंत में सभी भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया।



एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं।

क्रिएटिव करियर है कार एसेसरीज डिजाइनिंग

कार एसेसरीज डिजाइनिंग एक ऐसा करियर क्षेत्र है, जिसके बारे में बेहद कम लोगों को ही जानकारी होती है। लेकिन यह एक ऐसा क्रिएटिव करियर क्षेत्र है, जिसमें ग्रोथ की संभावना बहुत अधिक है। यह एक ऑटोमोबाइल डिजाइनर के काम का एक हिस्सा है, लेकिन यह केवल कारों और इसके सामान के लिए पूरा करता है। कार एक्सेसरी डिजाइनर ऐसे व्यक्ति हैं जो कार एक्सेसरीज और पाट्स के लिए नए डिजाइन बनाते हैं। वे न केवल देखभाल की संरचना में सुधार करते हैं, बल्कि इसकी कार्यक्षमता भी बढ़ाते हैं। ऐसा करते समय, एक कार एक्सेसरी डिजाइनर को वाहन की सुरक्षा को ध्यान में रखना चाहिए और दिए गए मापदंडों के तहत काम करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको इस करियर क्षेत्र के बारे में विस्तारपूर्वक बता रहे हैं –

क्या होता है काम

एक कार एसेसरीज डिजाइनर तीन क्षेत्रों में से एक में काम करते हैं – इंटीरियर डिजाइनिंग, एक्सटीरियर डिजाइनिंग या कलर और ट्रिम डिजाइन। वे ड्राइंग, मॉडल और प्रोटोटाइप का उपयोग करके कार एक्सेसरी पाट्स, असेंबली और सिस्टम के ड्राफ्टिंग डिजाइन बनाते हैं। उनका मुख्य काम होता है कि वे कार को विजुअली अधिक अपीलिंग बनाएं।
रिकल्स – करियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक कार एसेसरीज डिजाइनर को हाइड्रोलिक, इलेक्ट्रिक और मैकेनिकल सिस्टम के बारे में विस्तृत जानकारी होनी चाहिए जो वाहन में उपयोग होने जा रहे हैं। इसके अलावा उन्हें ग्राहक की पूरी आवश्यकता को समझना चाहिए और डिजाइन और इसके उत्पादन के उपयोग के बारे में बड़े पैमाने पर शोध करना चाहिए। उनके भीतर कुछ अलग व हटकर सोचने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही कंप्यूटर व कार का तकनीकी ज्ञान उनके काम को अधिक आसान बनाता है।
योग्यता – एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। जिस विश्वविद्यालय या कॉलेज से उम्मीदवार अपनी डिग्री हासिल करता है, उसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा मान्यता प्राप्त होना चाहिए।
आमदनी – करियर एक्सपर्ट बताते हैं कि इस क्षेत्र में आमदनी आपके अनुभव व क्रिएटिविटी के आधार पर बढ़ती जाती है। हालांकि एक कार एसेसरीज डिजाइनर की एवरेज सालाना सैलरी सात से आठ लाख के बीच होती है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नवी मुंबई
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- एरिना एनिमेशन, बैंगलोर
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, नोएडा
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, चेन्नई
- वीआईडीएम इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली
- वाईएमसीए इंस्टीट्यूट फॉर ऑफिस मैनेजमेंट, नई दिल्ली



पढाई के लिए बेस्ट ऑप्शन है हॉन्ग कॉन्ग

अगर आप भी विदेश से पढाई करना चाहते हैं लेकिन डिसाइड नहीं कर पा रहे हैं तो कौन सी यूनिवर्सिटी बेहतर करियर ऑप्शन में आपकी सहायता कर सकती है।आज के इस लेख में हम आपको हॉन्ग कॉन्ग यूनिवर्सिटी की कुछ खासियत बता रहे हैं जिससे आपकी कन्ययूजन दूर हो जाएगी।

अगर आप भी विदेश में पढाई करके अपने करियर को बेहतर ऑप्शन देना चाहतें हैं तो आपको हॉन्ग कॉन्ग बेहतर विकल्प हो सकता है 2020 के फाइनेंशियल सेंटर इंडेक्स में हॉन्ग कॉन्ग को तीसरा रैंक प्राप्त हुआ है। यह युवाओं के बीच उच्च शिक्षा के लिए बेस्ट ऑप्शन के रूप में उभर रहा है। यहां की आसान वीजा पॉलिसी इसकी लोकप्रियता का एक कारण है। अन्य देशों के मुकाबले यहां की ट्यूशन फीस भी कम



ब्रिटिश काउंसिल ने निकाली भारतीय छात्रों के लिए स्कॉलरशिप स्कीम

ब्रिटिश काउंसिल ने भारतीय छात्रों के लिए पोस्ट ग्रेजुएशन स्कॉलरशिप की घोषणा की है। ब्रिटिश काउंसिल की यह स्कॉलरशिप 2022-23 एकेडमिक ईयर के लिए है। यह स्कॉलरशिप भारतीय छात्रों को फाइनेंस, बिजनेस, मार्केटिंग और डिजाइनिंग जैसे विषयों के लिए दी जाएगी। स्कॉलरशिप के लिए जरूरी योग्यता और अन्य जानकारी ऑफिशियल वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

ब्रिटिश काउंसिल की इस स्कॉलरशिप योजना में यूके सरकार ने ग्रेट ब्रिटेन कैम्पेन की मदद से विभिन्न विषयों में अध्ययन के लिए भारतीय छात्रों 20 ग्रेट स्कॉलरशिप की घोषणा की है। इसमें यूके के 16 विश्व विद्यालयों की पार्टनरशिप है। जो छात्र कमर्शियल लॉ, ह्यूमन राइट्स और क्रिमिनल जस्टिस जैसे विषयों का अध्ययन करना चाहते हैं उनके लिए जस्टिस और लॉ से संबंधित 7 ग्रेट स्कॉलरशिप उपलब्ध है।

स्कॉलरशिप की पूरी जानकारी

छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने के इच्छुक

है जिससे छात्र हॉन्ग कॉन्ग की ओर आकर्षित होते हैं। आइये जानते हैं क्यों है हॉन्ग कॉन्ग स्टडी के लिए बेस्ट ऑप्शन

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

हॉन्ग कॉन्ग बेस्ट एजुकेशन हब है। क्यूएस छात्र सिटी 2021 में इसको 14वां रैंक दिया गया है। यहां इंटरनेशनल रैंकिंग प्राप्त बहुत सी यूनिवर्सिटीज हैं। दुनिया की टॉप 100 यूनिवर्सिटी में से 5 हॉन्ग कॉन्ग में हैं। यहां के शिक्षण संस्थान गुणवत्तापूर्ण और रिसर्च बेस्ड एजुकेशन मैथड का प्रयोग करते हैं।

शिक्षण संस्थान का चुनाव

अगर आप भी हॉन्ग कॉन्ग से पढाई करना चाहतें हैं तो पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी आपके लिए बेहतर ऑप्शन है। इसकी हॉन्ग कॉन्ग बिजनेस और इंडस्ट्रियल लीडर्स से पार्टनरशिप है जो आपके लिए रोजगार के बेहतर विकल्प उपलब्ध कराने में सहायक है। इससे आप अन्य देशों में रोजगार के अवसर तलाश सकते हैं। यह यूनिवर्सिटी अपने इंटरनेशनल

लिंक के लिए भी मशहूर है। इस यूनिवर्सिटी की स्थापना 1937 में हुई थी। यहां आपको समस्याओं को हल करने के नए और यूनिक तरीके बताये जाते हैं।

कौन से हैं कोर्स

पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी में आप बिजनेस, इंटरनेशनल स्टूडेंट अप्लाइड साइंस, हेल्थ साइंस, होटल एन्ड टूरिज्म मैनेजमेंट, लैंग्वेज, कल्चर एन्ड कम्प्युनिकेशन, फैशन एंड टेक्स्टाइल, कस्टमर एन्ड इन्वायरमेंट, डिजाइन, इंजीनियरिंग और सोशल साइंसेज स्ट्रीम में ऑफर किये जाने वाले कोर्स में से अपने लिए किसी भी अंडर ग्रेजुएट कोर्स का चयन कर सकते हैं।

हॉन्ग कॉन्ग में पढाई के फायदे

- पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी दो साल तक बाहरी छात्रों के रहने का प्रबंध करती है।
- नेशनल या इंटरनेशनल लेवल पर इंटरशिप का प्रबंध।
- किसी भी विदेशी यूनिवर्सिटी केम्पस से पढाई का अवसर।
- आप यहां स्कॉलरशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं। जिसके अंतर्गत आपको – 1,90,000 हॉन्ग कॉन्ग डॉलर % 17 लाख 36 हजार रुपये, मिलेंगे जो आपकी एजुकेशनल परफॉर्मंस के आधार पर रिस्यू किया जाता है।
- बाहरी छात्रों के लिए इमिग्रेशन का प्रबंध
- अगर आपने हॉन्ग कॉन्ग से अपना अंडर ग्रेजुएशन कोर्स पूरा कर लिया है और नौकरी के लिए एचकेएसएआर में रहना चाहतें हैं तो प्रोफेशनल के रूप में अप्लाई कर सकते हैं। अगर आपने इमिग्रेशन से संबंधित सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं तो आपको 12 महीने तक रहने के लिए अनुमति मिल जाएगी।

हॉन्ग कॉन्ग में पढाई करने के अन्य आकर्षण

पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी में बेहतर छात्र और शिक्षक अनुपात, यहां की योग्य फैकल्टी, स्टाफ का सहयोगपूर्ण व्यवहार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पद्धति इस शिक्षण संस्थान को छात्रों के बीच लोकप्रिय बनाने का मुख्य कारण है।

लिए अंग्रेजी भाषा शिक्षण में स्नातकोत्तर की पढाई के लिए यूके के दो विश्वविद्यालयों में स्कॉलरशिप की घोषणा की है। अंग्रेजी शिक्षण में पोस्ट ग्रेजुएशन की पढाई के लिए कुल स्कॉलरशिप की संख्या 6 है। यह स्कॉलरशिप भारत में ग्राइमरी या माध्यमिक सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों या उनके साथ काम करने वाले शिक्षकों के लिए है। 3 स्कॉलरशिप को लीडस विश्वविद्यालय में फुल टाइम एमए के लिए उपलब्ध है, अन्य 3 स्कॉलरशिप स्टर्लिंग विश्विद्यालय द्वारा उपलब्ध है जो पार्ट टाइम/ऑनलाइन एमएससी प्रोग्राम के लिए है। इसके अंतर्गत दो हफ्तों की रेजिडेंशियल यात्रा शामिल है जो फुली फंडेड होगी।

कहां से लें जानकारी

अंग्रेजी शिक्षण में पढाई के लिए आवेदन के लिए इच्छुक उम्मीदवार scholarship for english teachers पर क्लिक करके पूरी जानकारी ले सकते हैं। इसके पूर्व आवेदक विश्वविद्यालय से ऑफर प्राप्त कर लें।



करियर निर्माण में ऑक्सीजन की तरह है अंग्रेजी की भूमिका

यूं तो जीवन में सफल होने के लिए भाषा कहीं भी रोड़ा नहीं बन सकती लेकिन आज यदि तरक्की की दिशा में कदम बढ़ाना है तो अंग्रेजी को साथ लेकर चलना ही होगा। हो सकता है अंग्रेजी विषय की कमजोरी की वजह से आपको ज्यादा मुश्किलत करना पड़े। जब प्रोफेशनल कोर्स में दाखिला लेते हैं तो करियर की राह में अंग्रेजी आड़े आ जाती है। आज अंग्रेजी न सिर्फ करियर के क्षेत्र में, बल्कि कम्प्युनिकेशन स्किल्स, पर्सनेलिटी डेवलपमेंट और बिजनेस के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए भी इसका ज्ञान आवश्यक है। ग्रुप डिस्कशन, इंटरव्यू, ओरल प्रजेंटेशन, रिपोर्ट राइटिंग और लेटर लिखने में अंग्रेजी का ज्ञान आपको लंबी रेस का घोड़ा साबित कर सकता है। अन्य विषयों को जिस तरह हम पढ़ते हैं, हमें अंग्रेजी को भी गंभीरता से लेना होगा। आज के समय में आप अंग्रेजी न आने का बहाना नहीं बना सकते। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने के लिए अंग्रेजी की प्रत्यांज जानकारी आवश्यक है। इतना ही नहीं अगर आपको अंग्रेजी आती है तो उससे आत्मविश्वास बढ़ता है। यानी करियर निर्माण में अंग्रेजी की भूमिका ऑक्सीजन की तरह है।

- छोटे वाक्यों को बार-बार दोहराएं और उन्हें रोजाना बातचीत में इस्तेमाल करने की कोशिश करें। इस बात को याद रखें कि हर भाषाओं की तरह अंग्रेजी को भी पहले बोलने का अभ्यास करना चाहिए। इसके बाद लिखने और पढ़ने की प्रैक्टिस हो।
- वाक्यों का अभ्यास आप करते रहें लेकिन आपको नए शब्दों को वाक्यों और सही रैफ्रेस में सीखते रहना चाहिए। केवल कोई शब्द और उसका अर्थ जान लेना पर्याप्त नहीं है बल्कि उसका सही जगह इस्तेमाल करना भी आना चाहिए। जितना आपका शब्द ज्ञान बढ़ेगा, उतना ही आप उसमें दक्ष होते जाएंगे।
- ग्रामर भले ही सीधे इंगलिश की प्रैक्टिस नहीं कराती, पर वह सही ढंग से उसे सीखने में सहायक होती है और आम तौर पर भाषा में होने वाली गलतियों को भी दूर करती है। इसलिए बोलने की प्रैक्टिस करते हुए ग्रामर का भी सहारा लें।
- अंग्रेजी यूं तो आम भाषा नहीं है इसलिए हमें हमारी मातृभाषा की तरह माहौल नहीं मिल पाता। लेकिन हम चाहें तो ऐसा माहौल बना सकते हैं। अपने पेरेंट्स, दोस्तों से जितना हो सके अंग्रेजी में बात करें। टीवी पर आने वाले अंग्रेजी कार्यक्रमों को देखें। अंग्रेजी न्यूजपेपर पढ़ें।

सफल होना चाहते हैं तो...

नेटवर्किंग को करियर की सफलता की कुंजी कहा जाए, तो आज के दौर में गलत नहीं है क्योंकि सिर्फ रिक्रल और क्वालिफिकेशन रखना ही आजकल अच्छी जॉब की गारंटी नहीं है। जॉब मार्केट में ऐसी कई फील्ड्स हैं, जहां बिना नेटवर्किंग के नौकरी पाना कठिन है। बिजनेस स्थापित करने और बढ़ाने के लिए तो यह महत्वपूर्ण स्किल है ही। चलिए, जानते हैं संपर्क बढ़ाने के कुछ उपायों के बारे में, जो आपके करियर को आगे ले जा सकते हैं।

संकोची स्वभाव से बचें

नेटवर्किंग का पहला नियम यह है कि आप मिलनसार बनें। अगर आप संकोची स्वभाव रखेंगे, तो अच्छी नेटवर्किंग करना असंभव है। इसलिए सबसे पहले तो अपने कंफर्ट जोन से बाहर आएँ। सोशल बनने की आदत डालें। अपनी जान-पहचान का दायरा बढ़ाएं।

टारगेट लोगों पर रखें फोकस

नेटवर्किंग का राज सिर्फ इवेंट अटेंड करना नहीं है। बेवजह ज्यादा लोगों से मेल-मुलाकात भी जरूरी नहीं है। इसके बजाय अपना ध्यान सिर्फ काम के लोगों पर ही केंद्रित करें, जो करियर में मददगार साबित हो सकते हों।

दो-तरफा हों रिश्ते

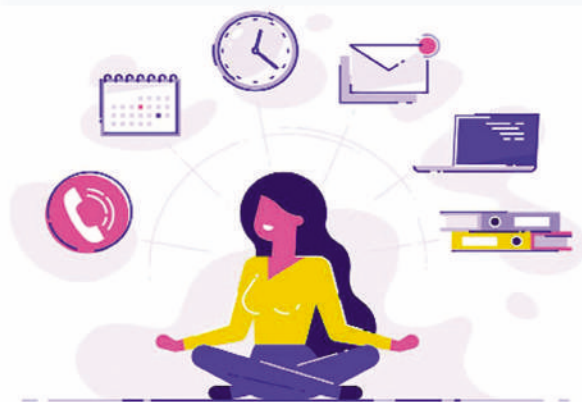
एकतरफा नेटवर्किंग ज्यादा दिन नहीं चलती है। इसलिए हमेशा संबंधों में विन-विन सिचुएशन रखें, यानी खुद भी मदद लें और दूसरों को भी मदद पहुंचाएं। साथ ही, लंबे समय तक चलने वाले संबंध बनाने पर ज्यादा जोर दें।

संपर्क बढ़ाने पर दें जोर

नेटवर्किंग का मतलब यह नहीं कि आप किसी से हमेशा कुछ पाने की ही अपेक्षा करें। रिश्ते बनाने को भी अहमियत दें। तमाम तरह के लोगों से संपर्क बढ़ाते रहें। इससे आपका व्यक्तित्व भी विकसित होगा। फॉलो-अप करना न भूलें अक्सर लोग एक-दो मुलाकातों के बाद एक-दूसरे को भूल जाते हैं। लंबे समय तक उनके बीच संपर्क कटा रहता है। इस प्रकार लगातार टच में न रहने से संबंधों में गैप आ जाता है। कोशिश करें कि एक बार किसी से संबंध बनाने के बाद लगातार उनके संपर्क में बने रहें।

सोशल नेटवर्किंग

फेसबुक, ट्विटर, वॉट्सऐप या लिंक्डइन के जरिए आजकल एक-दूसरे के संपर्क में रहना आसान हो गया है। सोशल नेटवर्किंग के इस टूल का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए। इसके माध्यम से आप अपने कार्यक्षेत्र से जुड़े लोगों के संपर्क में रह सकते हैं। आप हमेशावर नए लोगों को भी अपने नेटवर्क में शामिल कर सकते हैं।



आईपीएल 2027: दिल्ली कैपिटल्स टीम से जुड़े युवराज सिंह

सहायक बल्लेबाजी कोच बने, गांगुली ने जमकर की तारीफ

○ **एजेंसी, नई दिल्ली।**

भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह आईपीएल 2027 से पहले दिल्ली कैपिटल्स के साथ जुड़े हैं। युवराज दिल्ली की टीम में सहायक और बल्लेबाजी कोच बने हैं। फ्रेंचाइजी ने मंगलवार को वीडियो जारी कर इसकी घोषणा की है।

कोचिंग करियर की करेंगे शुरुआत

44 वर्षीय युवराज ने भारत की 2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वह इस फ्रेंचाइजी के साथ अपने आईपीएल कोचिंग करियर की शुरुआत करेंगे। उन्होंने हाल के वर्षों में कई स्थापित और उभरते हुए भारतीय क्रिकेटरों का मार्गदर्शन भी किया है। युवराज का दिल्ली फ्रेंचाइजी के साथ पहले से भी इतिहास रहा है। उन्होंने 2015 में रिकॉर्ड 16 करोड़ रुपये में दिल्ली कैपिटल्स (तब डेयरडेविल्स) ज्वाइन किया था और उस सीजन के सभी 14 मैचों में खेले थे।

गांगुली के साथ काम करने के लिए उत्सुक

युवराज ने कहा, 'मैं दिल्ली कैपिटल्स के साथ अपने जीवन का एक नया अध्याय शुरू करने के लिए उत्साहित हूं। फ्रेंचाइजी के साथ मेरा पुराना नाता रहा है और मैं मालिकों को अच्छी तरह जानता हूं, जो इसे मेरे लिए एक विशेष अवसर बनाता है।' उन्होंने आगे कहा कि वह सौरव गांगुली और कोचिंग स्टाफ के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं। अपने आईपीएल करियर के दौरान युवराज ने 132 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 2,750 रन बनाए और 36 विकेट लिए।

राधिका मदान ने बयां किया दर्द, सुनाया बचपन का किस्सा



बॉलीवुड अभिनेत्री राधिका मदान ने महिलाओं के लुक को लेकर दबाव झेलने पर बात की। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर सेलेब्स के लुक को ट्रेल करने पर भी काफी कुछ कहा।

‘बॉडी शेमिंग पर क्या बोलीं राधिका?’

राधिका मदान ने बॉडी शेमिंग को लेकर अपना निजी संघर्ष भी साझा किया। उन्होंने हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत में कहा, ‘‘मैंने फिल्म ‘पटाखा’ के लिए 15 किलो वजन बढ़ाया था और ‘शिद्वत’ व ‘अंग्रेजी मीडियम’ के लिए मैं वह वजन घटा रही थी। इस दौरान मुझे कहा गया कि मैं बहुत मोटी हो गई हूं और हीरोइन कैसे बन सकती हूं? इसके बाद लगातार शूटिंग करते हुए मेरा वजन घटता रहा और मैं बिल्कुल हड्डियों का ढांचा बन गई।’’

‘एक्ट्रेस ने खुद से किया यह सवाल’

आगे अपने इंटरव्यू में राधिका ने कहा, ‘‘मैंने खुद से पूछा कि मैं लोगों को खुश करने की कोशिश क्यों कर रही हूं, जबकि वे कभी खुश नहीं होंगे? इसलिए, मैंने एक खास शारीरिक बनावट पाने की चाहत के बजाय स्वास्थ्य रहने पर ध्यान देना शुरू किया। एक बार जब आप ऐसा कर लेते हैं, तो दूसरों की राय आपको प्रभावित नहीं करती, क्योंकि आप



युवराज का अनुभव आएका काम

पूर्व ऑलराउंडर युवराज ने अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ियों के साथ काफी करीब से काम किया है, जो अब भारतीय टीम के मुख्य स्तंभ बन चुके हैं। उन्होंने अपना अनुभव साझा करके उनके खेल को निखारने में मदद की है। युवराज कई अन्य खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने में भी शामिल रहे हैं। अभिषेक के साथ उनका जुड़ाव विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा है, जिनकी बदौलत इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने भारत के सबसे विस्फोटक टी20 बल्लेबाजों में से एक के रूप में अपनी पहचान बनाई है। 2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप जीतने का उनका अनुभव दिल्ली कैपिटल्स के कोचिंग सेंटअप के लिए एक मूल्यवान साबित होना। पिछले कुछ वर्षों में कई युवा भारतीय सितारों को मार्गदर्शन देने के बाद, युवराज अब अपनी पहली औपचारिक कोचिंग भूमिका निभा रहे हैं क्योंकि यह फ्रेंचाइजी आईपीएल के अपने पहले खिताब के सूखे को खत्म करने की तलाश में है।

विराट कोहली ने 37 की उम्र में लिंकडइन प्लेटफॉर्म पर किया डेब्यू

○ **एजेंसी, नई दिल्ली।**

भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने खेल के मैदान से दूर अब पेशेवर नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म लिंकडइन पर अपनी नई शुरुआत की है।

इस मंच के जरिए उन्होंने भारतीय खेल क्षेत्र के लिए अपने विजन को साझा किया और एगिलाटास स्पोर्ट्स में अपने निवेश का जिक्र किया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ एक पेशेवर खिलाड़ी के रूप में अपनी पहचान बनाने के अलावा, लिंकडइन प्रोफाइल में खुद को बिजनेसमैन बताया है। कोहली ने प्रोफाइल में खुद को एगिलाटास का निवेशक और वन8वर्ल्ड का सह-संस्थापक बताया है।

कोहली के पोस्ट से उत्साहित हुए सूअर्स

लिंकडइन पर कोहली के पहले पोस्ट को फैंस का जबरदस्त प्यार मिला है, जिसे महज कुछ घंटे के भीतर हजारों लाइक्स, सैकड़ों कमेंट्स और रीपोस्ट मिल चुके हैं। इस स्टार बल्लेबाज ने भारतीय खेलों के भविष्य के लिए अपना दृष्टिकोण साझा करते हुए एक ऐसा व्यवसाय स्थापित करने की अपनी महत्वाकांक्षा पर जोर दिया, जो पेशेवर क्रिकेटर के रूप में उनके संन्यास के बाद भी लगातार आगे बढ़ता रहे।



खेल प्रतिभाओं को विकसित करने पर की बात

कोहली ने भारत में विश्व स्तर की खेल प्रतिभाओं को विकसित करने और वैश्विक पहुंच वाले

घरेलू ब्रांड तैयार करने की अपार संभावनाओं पर भी बात की। बिजनेस में आना उनके एक बड़े प्लान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य विनिर्माण, उपभोक्ता ब्रांड और वितरण को शामिल करते हुए एक एकीकृत खेल व्यवसाय का निर्माण करना है। लिंकडइन पर साझा किए गए अपने पहले पोस्ट में विराट कोहली ने लिखा, ‘‘मैं हमेशा से एक ऐसा भारत देखना चाहता था जहां हर खेल को फॉलो किया जाए,

उसका जश्न मनाया जाए और उसे खेला जाए। आज, वह विजन पहले से कहीं अधिक करीब महसूस होता है। एक नई पीढ़ी यह साबित कर रही है कि भारत विश्व स्तर के एथलीट तैयार कर सकता है और वैश्विक मंच के लिए ब्रांड बना सकता है।

उन्होंने लिखा, भारत से एक एंड-टू-एंड स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म बनाने का विजन, जिसमें मैनुफैक्चरिंग, कंज्यूमर ब्रांड और स्पोर्ट्स डिस्ट्रीब्यूशन शामिल हैं। यह इस विश्वास पर आधारित है कि भारत केवल वैश्विक खेल में भाग नहीं ले सकता, बल्कि उसके भविष्य को आकार देने में मदद कर सकता है। यही वजह है कि मैं एक निवेशक के रूप में जुड़ा हूं। विजन बिल्कुल स्पष्ट है। अब कुछ ऐसा बनाने का समय आ गया है जो हम सभी से आगे भी चलता रहे। हम इसी सफर पर हैं।

शानदार फॉर्म में चल रहे हैं कोहली

खेल के मैदान पर भी विराट कोहली यह लगातार साबित कर रहे हैं कि वह एक ऐसी ताकत हैं जिनका मुकाबला करना आसान नहीं है। उन्होंने अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप में अपनी जगह पक्की करने के लिए अपना दावा मजबूत करना जारी रखा है। कोहली हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलते नजर आए थे।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी

हॉकी इंडिया ने पुरुष हॉकी टीम का किया एलान, कृष्ण पाटक की वापसी; हरमनप्रीत को कमान

○ **एजेंसी, नई दिल्ली।**

हॉकी इंडिया ने मंगलवार को पंजाब में होने वाली एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 के लिए भारतीय पुरुष टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 27 अक्तूबर से पांच नवंबर तक जालंधर और मोहाली में खेला जाएगा। कप्तान हरमनप्रीत सिंह टीम की कमान संभालेंगे। उन्होंने जापान में हुए एशियन गेम्स में भारत को ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जिताया था, जहां टीम ने पहली बार अपने महाद्विपीय खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया।

एशियाड टीम में शामिल खिलाड़ियों को मौका

टीम में उन खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है, जिन्होंने एशियन गेम्स में सफलता दिलाई थी। इससे निरंतरता बनी रहेगी, क्योंकि भारत घरेलू मैदान पर एशिया के प्रमुख हॉकी देशों का सामना करने की तैयारी कर रहा है। गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक की वापसी हुई है, जबकि युवा डिफेंडर अमनदीप लकरा और मिडफील्डर आदित्य अर्जुन लालागे को सीनियर टीम में अपनी जगह मजबूत करने का एक और मौका मिला है।

18 सदस्यीय प्लेइंग स्क्वाड के अलावा मिडफील्डर विष्णु कांत सिंह और फॉरवर्ड अंगद बीर सिंह को दो रिजर्व खिलाड़ियों के तौर पर चुना गया है। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, पंजाब में एसीटी खेलना कुछ खास होगा।

इस टीम में युवा जोश और अनुभव का मेल है, और हम घरेलू दर्शकों के उत्साह का लाभ उठाने के लिए बेताब हैं। भारत में टूर्नामेंट खेलने जैसा कुछ नहीं है, और हमने इसे बहुत मिस किया है।

आगरा की बेटी दिविजा महाजन का पैकिंग उद्योग में वैश्विक क्रांति का संकल्प

पिता और चाचा के संघर्ष से गढ़ी गई सफलता की अनूठी दास्तान

केवल सुंदरता नहीं बल्कि उपयोगिता और व्यावहारिकता है असली डिजाइन

ब्रांड प्रेजेंटेशन और कम्यूनिकेशन से टी आधुनिक कॉर्पोरेट पहचान

पारंपरिक पैकेजिंग के दायरे से निकलकर केमिकल सेगमेंट तक का विस्तार

गहराई से समझा है। इस व्यावहारिक अनुभव ने उन्हें यह सिखाया कि कोई भी श्रेष्ठ डिजाइन केवल देखने में आकर्षक नहीं होना चाहिए बल्कि वह व्यावसायिक रूप से व्यावहारिक और टिकाऊ भी होना चाहिए।

क्रिएटिव डायरेक्टर के रूप में नया स्वरूप

वर्तमान समय में ‘परफेक्ट पैकर्स’ तथा ‘परफेक्ट सॉल्यूशन’ में बतौर क्रिएटिव डायरेक्टर की जिम्मेदारी संभालते हुए दिविजा ब्रांड प्रेजेंटेशन और ब्लाइट रिलेशनशिप में नए मानक स्थापित कर रही हैं। उनका मुख्य उद्देश्य पारंपरिक विनिर्माण अनुभव के साथ आधुनिक डिजाइनिंग और बेहतर कार्यक्षमता का अद्भुत समन्वय स्थापित करना है। दिविजा की दूरदर्शी सोच के कारण ही आज यह समूह केवल पारंपरिक पैकेजिंग तक सीमित न रहकर रिटेल सॉल्यूशंस और केमिकल सेगमेंट में भी अपने कदम तेजी से आगे बढ़ा रहा है।

आगरा की माटी से विश्व पटल की ओर

अपने परिवार द्वारा आगरा की माटी पर खड़ी की गई इस मजबूत नींव पर दिविजा अब एक भव्य वैश्विक पहचान की इमारत का निर्माण करना चाहती हैं। उनका स्पष्ट विजन पैकेजिंग उद्योग में प्रौद्योगिकी, पर्यावरण अनुकूलता तथा सतत नवाचार का समावेश करके अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाना है। आगरा को अपना मजबूत आधार मानते हुए और पूरे विश्व को अपनी महत्वाकांक्षा बनाकर दिविजा महाजन आज की युवा पीढ़ी के लिए एक सच्ची यूथ आइकॉन बनकर उभर रही हैं।

विनिर्माण की सूक्ष्म बारीकियों को समझने का कठिन उत्पादन प्रक्रिया, लागत निर्धारण तथा ग्राहकों की मार्ग चुना। उन्होंने कच्चे माल की गुणवत्ता से लेकर वास्तविक आवश्यकताओं को धरातल पर उतरकर

नीट- यदि आप भी यूथ हस्ती हैं और आपने अपनी मेहनत से उद्योग जगत को एक नई दिशा प्रदान की है तो अपने इस अद्भुत संघर्ष और सफलता की पूरी कहानी हमें 9412359817 पर व्हाट्सअप करें।



विद्युत: स्ट्रगल की परिभाषा पर क्यों उठाया सवाल?

‘स्ट्रीट फाइटर’ से हॉलीवुड डेब्यू करने जा रहे अभिनेता विद्युत जामवाल ने ओटीटी के आने से कलाकारों की बदली जिंदगी और इंडस्ट्री में स्ट्रगल को लेकर अपनी राय साझा की। उन्होंने बताया कि उनकी नजर में असली संघर्ष क्या है और स्टार बनने के बाद कलाकारों की जिम्मेदारी क्या होनी चाहिए।

बाहर से आने वालों पर क्या बोले एक्टर?

विद्युत के मुताबिक इंडस्ट्री में कुछ भी आसानी से नहीं मिलता। वह कहते हैं, ‘‘अगर लोगों को लगता है कि सोधा मिल जाता है, तो सीधा कुछ भी नहीं मिलता। इसका मतलब ये है कि अगर आपको के स्विमिंग सीखनी है तो गीला होना पड़ेगा।

जब मैं लोगों को सुनता हूं कि मैंने खाना नहीं खाया था, एक्टिंग में ये किया, तीन दिन भूखा रहा, ऑडिशन दिए, तो मुझे लगता है कि ये तो प्रोसेस है। इससे क्या होता है कि आपने खाना नहीं खाया? अगर आप बाहर से आए हैं तो थोड़ी बहुत दुविधाएं होंगी।’’

स्टार बनने के बाद यह करेंगे विद्युत

स्ट्रगल को लेकर विद्युत कहते हैं, ‘‘लेकिन जब आप स्टार बन जाएंगे तो क्या आप उन लोगों की मदद करेंगे जो नए आए हैं? सबसे अहम सवाल यही है। क्या आप उनकी जर्नी आसान करेंगे? मैं इंटरव्यू में सुनता हूं कि मैं तीन दिन यहां रहा, मैंने ये किया, लोकल ट्रेन से ट्रेवल किया। यह

नॉर्मल है। ये तो बहुत नॉर्मल चीज है, जिसे लोग स्ट्रगल कहते हैं। मेरी नजर में ये रियल स्ट्रगल नहीं है।’’

ओटीटी ने बदली कलाकारों की किस्मत

ओटीटी के आने से कलाकारों की बदली स्थिति का जिक्र करते हुए विद्युत कहते हैं, ‘‘मुझे मुंबई आए जितना समय हुआ है, मैं जितने नेशनल स्कूल और ड्रामा के एक्टर्स को जानता था, जो बेरोजगारी के आलम से गुजर रहे थे, आज वो काफी जाने-पहचाने एक्टर्स हो गए हैं। ओटीटी में जिनको मौका नहीं दिया जा रहा था, ओटीटी ने उनको बहुत चांसज दिए। हर एक्टर जिसने एक्टिंग में महारत हासिल की है या एजुकेशनल ली है, उसे काम जरूर मिलना चाहिए।’’